INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-96 | मथुरा, रविवार, 1 जून 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज-10

भीषण हादसा : बकरों से भरा कैंटर डिवाइडर से टकराया

पेज-11

आईआरएस अधिकारी ने मांगी पैंतालीस लाख की रिश्वत

पेज-12

मथुरा में विद्युत विभाग की अनदेखी से खतरा

कॉरिडोर: बांके बिहारी मंदिर में नहीं हो सरकारी हस्तक्षेप

अधिकारियों ने गोस्वामियों को समझाने का किया प्रयास

वृंदावन के निकुंज भवन में गोस्वामियों के साथ बैठक करते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार व विप्रा उपाध्यक्ष एसबी सिंह।

डीएम, एसएसपी, विप्रा वीसी पहुंचे थे न्यास के बारे में जानकारी देने

ऐलान..... मांगें न मानी गयीं तो गोस्वामी समाज करेगा पलायन

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और न्यास (ट्रस्ट) अध्यादेश को लेकर चल रहे विरोध के बीच रविवार दोपहर को डीएम, एसएसपी और विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष वृंदावन पहुंचे। यहां अधिकारियों ने मंदिर के गोस्वामियों के साथ बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने बांके बिहारी न्यास ऑर्डिनेंस को पैरा वाइज गोस्वामियों को समझाने की कोशिश की लेकिन गोस्वामियों ने एक सुर में कहा कि उनको यह ऑर्डिनेंस वर्तमान स्थिति में कदापि मंजूर नहीं है और बैठक में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवायत गोस्वामियों ने ऐलान किया है यदि हमारी मांगें नहीं मानी गयी तो ठाकुर बांके बिहारी के साथ गोस्वामी समाज के परिवार भी पलायन करेंगे। बांके बिहारी मंदिर के वीआईपी रोड स्थित जुगल किशोर गोस्वामी के निकुंज भवन पर दोपहर को बैठक हुई। बैठक में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, सीओ सदर संदीप सिंह, अपर सिटी मजिस्ट्रेट मौजूद थे। मंदिर के गोस्वामियों के साथ शुरू हुई बैठक में अधिकारियों ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर को लेकर सरकार जो अध्यादेश लाई है उससे मंदिर की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी। इसके अलावा इस अध्यादेश से किसी का अहित नहीं होगा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने आश्वस्त किया कि जो इस समय पूजा पद्धति है वह निरंतर चलती रहेगी। मंदिर के पुजारी रजत गोस्वामी ने न्यास के लिए बनाई गई डीड पर आपत्ति जताई। रजत गोस्वामी ने कहा कि इस डीड में अन एक्सपेक्टेड अधिकार दिए गए हैं। इस अध्यादेश को लाकर सरकार ने आर्टिकल 25, 26 का हनन किया है। उन्होंने कहा कि हमको न्यास किसी कीमत पर स्वीकार नहीं है। विलास गोस्वामी ने कहा कि सेवायत मंदिर की व्यवस्था, पूजा और परंपरा में सरकारी हस्तक्षेप नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि उनके निजी मंदिर में बाहर का व्यक्ति व्यवस्था क्यों देखेगा। हमको अल्प संख्यक बनाया जा रहा है। गोस्वामी मंदिर की व्यवस्था सुधारें इसके लिए आप सुझाव दीजिए। सरकार का धर्म है कि वह हमारी बात सुने। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि सभी का उद्देश्य है सबका भला हो। किसी का नुकसान न हो। विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने डीड पढ़कर सुनाई। उन्होंने कहा सेवा के लिए रोस्टर बनाया जाएगा। जनता के बीच जो कहा जा रहा है, वह सब अनर्गल बात हैं। सेवा पद्धति उसी तरह से चलेगी, जैसी आज चल रही है। करीब एक घंटे तक चली मीटिंग में कई बार अधिकारियों ने गोस्वामियों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन गोस्वामी ऑर्डिनेंस को न स्वीकार करने पर अड़े रहे। गोस्वामियों ने कहा कि उनको यह ऑर्डिनेंस मंजूर ही नहीं है। इसके बाद मीटिंग बेनतीजा रही और खत्म हो गई। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा बातचीत का दौर खत्म नहीं हुआ आपस में बातचीत आगे चलती रहेगी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर खड़ी बस में लगी आग

यमुना एक्सप्रेस वे पर आग की लपटों से घिरी बस।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर 88.500 माइलस्टोन के निकट एक बस में यकायक आग लगने से हड़कंप मच गया। यह तो गनीमत थी कि बस में कोई सवारी नहीं थी। आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाई और आग पर काबू पाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज दोपहर करीब 01.10 बजे डेल्टा कन्ट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि यमुना एक्सप्रेस– वे पर 88.500 माइलस्टोन पर नोएडा से आगरा की तरफ मार्ग पर एक बस में आग लगी हुई है। प्राप्त सूचना पर थाना प्रभारी, हरनौल मोड पुलिस चौकी प्रभारी अजीत मलिक समेत पुलिस बल के साथ पहुँचे।

जानकारी हुई कि बस संख्या यूपी 85 बीटी 8439 में अचानक आग लग गयी। बस में ड्राइवर व कन्डक्टर के अलावा और कोई मौजूद नही था। ड्राइवर व कन्डक्टर दोनो सकुशल हैं। कोई जनहानि नही हुई है। मौके पर मौजूद पुलिस बल एवं मय फायर टेन्डर ने आग बुझा दी है। बस को क्रेन द्वारा खिचवाकर राया कट भिजवा दिया है।

सफलता: लाखों रुपये के जेवरों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ट्रेनों में यात्रियों के साथ लूटपाट करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये कीमत के जेवर समेत अन्य माल बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अभियुक्त सन्दीप पुत्र वीरशाल निवासी थाना राजपार्क दिल्ली तथा मनोज पुत्र रामकिशन निवासी ग्राम रूदाईन थाना सहपऊ जिला हाथरस को रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म नम्बर आठ के आगरा साईड के अन्तिम छोर से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से कानो के कुण्डल, तीन अंगूठी व चांदी की पायल एक चैन मर्दाना, चैन, ब्रेस्लेट बरामद किया। बरामद माल की अनुमानित कीमत करीब 5,30,000/– रुपये है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसा खड़ी बस से टकराया कैंटर

एक सवारी की मौत, दो घायल

संवाददाता

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। यमुना एक्सप्रेस वे पर खड़ी बस में पीछे से आ रहे आयशर कैंटर ने टक्कर मार दी। परिणामस्वरूप बस की एक सवारी की मौत हो गयी। वहीं कैंटर चालक व उसका साथी घायल हो गए। दिल्ली से मध्य प्रदेश जा रही निजी बस यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 100 के समीप रविवार तड़के तीन बजे करीब खराब हो गयी थी। बस चालक व हेल्पर बस को चैक कर रहे थे। बस की सवारियां भी नीचे उतर आई थीं। कुछ सवारियाँ अन्य वाहनों में बैठ कर अपने गंतव्य को रवाना हो गईं। इसी दौरान नोएडा साइड से आ रहे आयशर कैंटर ने खराब खड़ी बस में टक्कर मार दी। बस से उतर कर रोड किनारे खड़े उपेंद्र पुत्र गोवर्धन निवासी मंसूरी जिला भिंड मध्यप्रदेश चपेट में आ गया और उसकी मौके पर मौत हो गयी। एक और सवारी नाजिर निवासी भड़ोसा मध्यप्रदेश व कैंटर चालक मंगल पुत्र करू घायल हो गए। मौके पर पहुंची मांट थाना पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देते हुए शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है, घायलों को अस्पताल भेज दिया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर टक्कर मारने के बाद खड़ा आयशर कैंटर।

तैयारी — बदलाव का कैबिनेट नोट तैयार

प्रधानमंत्री प्रशिक्षु... 24 हजार कंपनियां दायरे में संभव

प्रशिक्षिता कार्यक्रम अभी टॉप–500 कंपनियों तक सीमित

यूनिक समय, नई दिल्ली। पांच साल में एक करोड़ युवाओं को प्रधानमंत्री प्रशिक्षिता योजना के दायरे में लाने के शुरुआती अनुभवों से सबक लेते हुए सरकार इस स्कीम में बड़े फेरबदल करने जा रही है। इसके लिए कैबिनेट नोट तैयार हो गया है और कैबिनेट की मंजूरी के बाद नए कलेवर की योजना पर इसी साल की आखिरी तिमाही में अमल संभव है। सरकार और इंडस्ट्री के सूत्रों के अनुसार, अब टॉप–500 कंपनियों में ही नहीं, बल्कि सीएसआर में शामिल सभी 24 हजार कंपनियों में पीएम इंटर्नशिप योजना शुरू हो सकती है। इन्हें चरणचद्ध तरीके से दायरे में लाया जा सकता है। पहले राउंड में सवा लाख इंटर्नशिप ऑफर की गई थीं। इनमें से पार्टनर कंपनियों ने 82 हजार इंटर्नशिप ऑफर की। एक लाख 40 हजार उम्मीदवारों में से 60 हजार को इंटर्नशिप की पेशकश की गई। इनमें से 28 हजार ने ऑफर स्वीकार किए लेकिन लगभग 8,700 प्रशिक्षुओं ने कंपनी जॉइन की। यह भी देखा गया है कि इंटर्नशिप स्कीम में युवतियों की हिस्सेदारी बहुत कम है।

कुल 8.725 इंटर्न में 72% युवक और सिर्फ 28% युवतियां हैं। इन्हें प्रोत्साहित करने के लिए भी सरकार कंपनियों को उनके लिए विशेष प्रोत्साहन देने के लिए प्रेरित करेगी। सरकार वित्त वर्ष 2025–26 में 15 साख इंटर्नशिप ऑफर करने जा रही है। इसके लिए 10,831 करोड़ रु. का बजट अनुमान लगाया गया है। जाहिर है इंटर्नशिप के दायरे को व्यापक बनाने की जरूरत पड़ेगी।

ये बड़े बदलाव संभावित

इंटर्नशिप के लिए मौजूदा उम्र की रेंज 21 से 24 साल को लचीला बनाया जाएगा। इसे 18 साल करने और अधिकतम आयु कंपनियों के विवेक पर छोड़ने का प्रस्ताव है। इंटर्नशिप की अवधि के लिए अभी एक साल तय है, जिसे 6 महीने से लेकर एक साल कर सकते हैं। प्रतिमाह 5 हजार रु. की वित्तीय सहायता बढ़ाने पर भी विचार। इंटर्न रखने वाली कंपनियां अपने हिस्से के 500 रु. प्रतिमाह की राशि अपने यहां के समकक्ष इंटर्न के बराबर कर सकेंगी। यह राशि अपने सीएसआर फण्ड के खर्चे में भी दिखा सकेंगी।

फीडबैंक में पता चला कि लोकेशन बड़ी रुकावट है

सरकार ने इतनी कम संख्या में इंटर्न के ज्वाइन करने को लेकर चार शीर्ष संस्थानों से फीडबैक सर्वे कराया है। इंटर्न के निराशाजनक रेस्पांस के चार बड़े कारण सामने आए..... इंटर्नशिप की लोकेशन सबसे बड़ा कारण रही। उम्मीदवार 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में पड़ने वाली कंपनी में ही जाने के इच्छुक थे। इंटर्नशिप की अवधि सामान्य कौशल प्रोग्राम से अधिक थी। जो भूमिकाएं इंटर्नशिप के लिए ऑफर की जा रही थीं, उनमें इंटर्न कोई रुचि ही नहीं ले रहे थे। इंटर्न की 21 से 24 की उम्र की सीमा भी बड़ी बाधक बन गई है।

पांच परीक्षा केन्द्रों पर हुई बीएड प्रवेश परीक्षा

प्रथम प्रश्नपत्र देखकर खिले चेहरे

बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में बी.एड. की प्रवेश परीक्षा में छात्राओं की चेकिंग करते हुए।

वी.डी.पी. राजकीय इंटर कॉलेज जनरलगंज से सामान प्राप्त करती छात्र–छात्राएं।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी की ओर से आयोजित बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2025 महानगर के पांच परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हो गई। सुबह प्रथम पाली में हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विषयों के संबंधित प्रश्नों को देखकर परीक्षार्थियों ने राहत की सांस ली। ज्यादातर परीक्षार्थियों के याद किए हुए प्रश्न प्रथम पेपर में आए। द्वितीय पाली के प्रश्नपत्र में

दूसरे प्रश्नपत्र में गणित व विज्ञान के प्रश्नों ने उलझाया

प्रथम पाली में 344 व द्वितीय पाली में 350 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

विज्ञान, गणित के प्रश्नों ने परीक्षार्थियों को उलझाया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार के निर्देशन में बी.एड प्रवेश परीक्षा रविवार को पांच परीक्षा केन्द्रों सेठ बी. एन. पोद्दार इंटर कॉलेज कैण्ट रेलवे स्टेशन, वी.डी.पी. राजकीय इंटर कॉलेज जनरलगंज, महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज गांधी पार्क डोरी बाजार, चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज भरतपुर गेट तथा डी.ए.वी.इंटर कॉलेज वृन्दावन गेट मसानी तिराहे पर हुई। सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2025 की प्रथम पाली में पंजीकृत 2483 अभ्यर्थी में से 2139 अभ्यर्थी ने परीक्षा दी। जबकि 344 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 2133 परीथार्थियों ने परीक्षा दी। 350 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को शांति पूर्वक कराने के लिए 3 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 5 स्टेटिक मजिस्ट्रेट निरंतर निगरानी परीक्षा केन्द्रों की रखते रहे।

वेटरिनरी विश्वविद्यालय में योग मैराथन में भाग लेने वाले शिक्षक व छात्र–छात्राएं।

वेटरिनरी विवि में वन अर्थ, वन हेल्थ थीम पर हुई योग मैराथन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (दुवासू) ने आज "वन अर्थ, वन हेल्थ" थीम अंतर्गत योग मैराथन तथा विरासत से विकास में योग की भूमिका पर चर्चा का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. देश दीपक सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य समग्र कल्याण और स्थिरता को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों एवं छात्रों के विकास में योग की भूमिका के बारे में जागरूक करना था। विरासत से विकास में योग की भूमिका विषय पर योग गुरु दिनेश चतुर्वेदी ने योग की महत्ता एवं उसके लाभ के बारे में विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार मदान ने की। कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता पशु चिकित्सा और पशुपालन तथा जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने किया।

ईको फ्रेंडली बर्ड एंड नेचर प्रोटेक्शन कैंपेन का कार्यक्रम

124 शिक्षक–शिक्षिका किए सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईको फ्रेंडली बर्ड एंड नेचर प्रोटेक्शन कैंपेन के बैनर तले डैंपियर नगर स्थित एक होटल में आयोजित प्रोजेक्ट बेस पर्यावरण संरक्षण की राज्य स्तरीय कार्यशाला में परिषदीय स्कूलों में पर्यावरण के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले 75 जिलों के 124 शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को उनकी पीपीटी प्रस्तुति के आधार पर हरित शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र सिंह ने इको फ्रेंडली बर्ड एंड नेचर प्रोटेक्शन कैंपेन के कार्यों की प्रशंसा की। शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का आह्वान करते हुए कहा है कि सभी को ईमानदारी एवं कर्तव्य परायणता से अध्यापन कार्य करने के साथ प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के लिए सामाजिक रूप से कार्य करना चाहिए

डेम्पियर नगर स्थित एक होटल में ईको फ्रेंडली बर्ड एंड नेचर प्रोटेक्शन कैंपेन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक शिक्षक को सम्मानित करते डीआईओएस रवीन्द्र सिंह।

। शुभम् विश्विद्यालय भोपाल के कुलसचिव कुलदीप सारस्वत ने प्रदेश भर से आए सभी शिक्षकों को अपने व्यक्तिगत अनुभवों का साझा किया। प्रेम महाविद्यालय इंटर कॉलेज वृन्दावन के प्रधानाचार्य डॉ. देव प्रकाश ने कहा कि बिना किसी सरकारी सहयोग के उनके द्वारा अपने अपने प्राथमिक विद्यालयों में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के लिए किए जा रहे कार्य वंदनीय एवं अभिनंदनीय हैं। कार्यक्रम में वृंदावन के रास मंडली के कलाकारों ने मयूर नृत्य, होली आदि की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अखिलेश यादव ने जल संरक्षण पर विस्तृत जानकारी पीपीटी द्वारा प्रदान की। कैंपेन के संचालक हरिओम सिंह (उन्नाव) ने बताया कि उनके द्वारा कई सालों ने इस दिशा में राज्य स्तर पर कुशल और बेहतर शिक्षकों / शिक्षिकाओं को जोड़कर कार्य किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण व पक्षी संरक्षण के प्रति आई हुई उदासीनता को पुनः जागरूक कर मानव जीवन के हित के लिए कार्य कर इसे बचाया जा सके। संचालन एसआरजी ओमप्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर आकाशवाणी केंद्र मथुरा के सत्यव्रत सिंह, ओ पी सिंह, प्रधानाचार्य बृजेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, विवेक श्रीवास्तव, पुष्पराज सिंह, श्रीमती गुरु प्यारी सतरंगी, मनमोहन सिंह, दीपनारायण मिश्र, भास्कर मिश्र, अरुण कुमार, डॉ. अनीता मुदगुल आदि उपस्थित थे।

बरसाना में निकली अहिल्याबाई की शोभायात्रा

बरसाना में निकली अहिल्याबाई की शोभायात्रा में शामिल चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी व बघेल समाज के लोग।

संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना। लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर अहिल्याबाई की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का विभिन्न वर्गों के लोगों ने स्वागत किया। बघेल समाज के तत्वावधान में महारानी लोकमाता अहिल्या बाई की स्वरूप श्वेत घोड़ी पर हाथों में ढाल तलवार लिए झांकी बहुत ही आकृर्षित लग रही थी। झांकी के पीछे–पीछे रथ चल रहे थे। बघेल समाज के युवक अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के जयकारों से श्री राधाजी की नगरी गुंजायमान हो उठी।

लोकमाता के स्वरूप का समाज की महिलाओं ने आरती कर माला दुपट्टा, चुनरी आदि पहनाकर स्वागत किया। जगह जगह लोग शरबत आदि पिलाकर साथ स्वागत कर रहे थे। शोभायात्रा पीली कोठी से शुरू होकर नए बस स्टैंड होते हुए मुख्य बाजार के रास्ते रंगीली गली चौक, लढ़ैती चौक, सुदामा चौक से होते हुए राधारानी सेल्फी पॉइंट्स से म्हारो बरसाना द्वार से निकलती हुई यथा स्थान पर पहुंची। शोभायात्रा से पहले मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी, पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा व भाजपा नेता रणवीर ठाकुर ने समाज के संभ्रांत लोगों के साथ लोकमाता अहिल्या बाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती की। इस अवसर पर राधेश्याम बघेल, अमीचंद बघेल, भगवत बघेल, डॉ. राजेन्द्र हंस, देवीराम प्रधान, पवन हंस, हरीश हंस, मोहनश्याम हंस, महेश बघेल, गगन हंस, बबलू बघेल, कार्तिक बघेल, पूरन बघेल, राम बघेल, लछमन बघेल, महेन्द्र टेलर्स, बच्चू बघेल, उदय हंस तथा बाली बघेल आदि मौजूद थे।

फूल बंगला में विराजमान होकर राधारानी ने दिये भक्तों को दर्शन

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्रीराधारानी सेवा समिति ने राधारानी मासिक पदयात्रा का ग्यारहवा वार्षिकोत्सव मानसरोवर धाम राधारानी मंदिर पर भक्ति भाव के साथ मनाया। राधारानी मंदिर में छप्पन भोग लगाए। राधारानी ने पचरंगी पोशाक धारण कर फूल बंगले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। भक्तों ने मंदिर परिसर में भजन संध्या का आनन्द लिया। इससे पहले प्रातः पदयात्रा रेतिया बाजार राधागोपाल जी मंदिर से पूजा अर्चना के साथ राधे राधे के उदघोष के साथ हरिनाम संकीर्तन करते हुए मांट खादर मानसरोवर धाम राधारानी मंदिर पहुंची। इस दौरान पवन गोयल डॉ. राजेश अग्रवाल, भूपेश अग्रवाल, अभिषेक पाराशर, मुकेश अग्रवाल, योगेश गोयल, विशाल पाराशर, मोहित अग्रवाल एवं सागर शर्मा आदि उपस्थित थे।

सावधान : 15 साल पुरानी पेट्रोल व 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को दिल्ली न ले जाएं

अब पेट्रोल पम्पों पर एक जुलाई से नहीं मिलेगा डीजल–पेट्रोल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगामी सर्दियों के मौसम में दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति खराब नहीं हो। इससे निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की तरफ से दो अलग–अलग आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत दिल्ली में एक जुलाई से 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों और 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को ईंधन नहीं देने के आदेश दिए हैं। साथ ही अन्य आदेश में सभी तरह के परिवहन/वाणिज्यिक माल वाहनों का एक नवंबर, 2025 से दिल्ली में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही एक अन्य आदेश और भी जारी किया गया है इसमें बीएस–3 और बीएस–4 वाली डीजल संचालित गाड़ियों के दिल्ली प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रतिबंधित वाहनों में बासकर एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी (बीएस–6, सीएनजी, एनएनजी और आईएलवी के अलावा)

गाड़ी को कर दिया जाएगा दिल्ली सीमा से बाहर

दिल्ली सरकार ने कार्रवाई करने को टीम का किया गठन

सभी वाहनों का प्रवेश दिल्ली में सख्त रूप से प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि दिल्ली में पंजीकृत गैर–आईएलएस–बीएल अनुपालन परिवहन वाहन जो आवश्यक वस्तुओं को लाने ले जाने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने का काम करते हैं। उनको दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। इन सभी को भी केवल 31 अक्टूबर 2026 तक सीमित अवधि के लिए अनुमति दी जाएगी। इसके बाद ऐसी वस्तुओं/सेवाओं को केवल सीएनजी/ एलएलजी/ बीबी/ यूएस–6 डीजल वाहनों के माध्यम से ही पूरा किया जाना होगा। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के पेट्रोल पंप पर इसको लेकर गैजेट्स लगा दिए गए हैं, जो पंप शेष रह गए हैं। उन पर भी गैजेट्स शीघ्र लग जाएंगे। अब दिल्ली में प्रवेश करने वाली 15 साल पुरानी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और उन्हें ईंधन नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा 15 साल पुरानी गाड़ियों की पहचान के लिए एक टीम बनाई गई है। ये टीम दिल्ली में ऐसे वाहनों को प्रवेश करने से रोकेगी और अगर प्रवेश कर गए हैं, तो उन्हें दिल्ली से बाहर भेजने का कार्य करेगी।

गाड़ी स्क्रैप में देने पर नई खरीदने पर नहीं लगेगी रजिस्ट्रेशन फीस

यूनिक समय, मथुरा। पुरानी गाड़ी को स्क्रैप के लिए देने पर सेलर से गाड़ी की कुछ वैल्यू मिलती है। स्क्रैप का सर्टिफिकेट मिलता है, जिससे आपको नई गाड़ी खरीदते समय रजिस्ट्रेशन फीस नहीं देनी पड़ती। सर्टिफिकेट के आधार पर राज्य सरकारें नई गाड़ियों को रोड टैक्स पर छूट देती हैं। गैर परिवहन वाहनों पर 25 प्रतिशत और परिवहन वाहनों पर 15 प्रतिशत तक की छूट हो सकती है।

स्कैपर्स गैंग कर सकता है आपकी गाड़ी को जब्त

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली में स्कैपर्स गैंग आपकी 10 साल पुरानी डीजल व 15 साल पुरानी पेट्रोल की गाड़ी को जब्त कर सकता है।

कांग्रेस को मजबूत बनाने पर जोर दिया

कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर आदि।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के राष्ट्रीय व्यापी आह्वान के तहत चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने रविवार को सेठवाड़ा स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक कर पार्टी को मजबूत करने के लिए मंथन किया। जिला जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी की उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाया जाएगा। हमारा लक्ष्य संगठन को हर स्तर पर सक्रिय करना बल्कि कार्यकर्ता के आत्मबल, प्रशिक्षण और नेतृत्व के विकास का अभियान है। बैठक में मनोज गौड़, मुकेश गोयल, कुंवर सिंह निषाद, विक्रम वाल्मीकि, गिरवर शर्मा, अप्रतिम सक्सेना, प्रदीप सागर, शैलेंद्र चौधरी, मानवेंद्र पांडव, रूपा लवानिया, तपेश गौतम, करण निषाद, दीपक दीक्षित, मुकेश गोयल, अशोक कुमार, ऋषिपाल सिंह, शैलेंद्र कुमार तथा सुरेश शर्मा आदि मौजूद थे।

हाथिया में एसडीएम व सीओ ने ग्रामीणों संग की पीस मीटिंग

यूनिक समय, बरसाना। दो समुदायों में शांति के लिए एसडीएम व सीओ ने हाथिया में पीस मीटिंग ली। एसडीएम व सीओ ने ग्रामीणों को आपसी मेल जोल के साथ रहने व किसी प्रकार की समस्या को मिलजुल कर सुलझाने की कहा। बताते चलें कि दो दिन पहले भागवत कथा के भंडारे प्रसाद ग्रहण कर रहे लोगों पर फेंके पत्थर से एक बुजुर्ग महिला का सिर फूट गया था। जिसमें पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी बच्चों के परिजनों को शांति भंग में चालान किया। विवाद की स्थिति न बने। इसके लिए एसडीएम नीलम श्रीवास्तव व सीओ अनिल कुमार ने थाना प्रभारी के साथ पीस मीटिंग का आयोजन किया गया। एसडीएम नीलम श्रीवास्तव ने सभी समुदाय के लोगों को शान्ति बनाये रखने व विवाद की स्थिति में सभी मिलजुल कर विवाद को समाप्त कराएं। क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार ने सभी वर्गों को शांति व्यवस्था में सहयोग देने व कानून का पालन करने की सलाह देते हुए कहा कि किसी ने शांत फिजा को बिगाड़ने का काम किया तो उसके खिलाफ कानूनी करीवाई अमल में लाई जाएगी। मीटिंग में प्रधान आसीन, मौलाना ओसामा, मौलाना सब्बीर, हाजी कमल खा, डीलर सद्दा, खालिद, मुनीलाल, शेर सिंह, सुब्बा ठेकेदार, चरण सिंह, नाहर सिंह, जुबैर कोटेदार तथा अरशद आदि लोग मौजूद थे।

असमानता और उत्पीड़न से क्षुब्ध रिफाइनरी मजदूरों ने दिया एडीएम को ज्ञापन

रिफाइनरी के मजदूर एडीएम न्यायिक शैलेन्द्र यादव को ज्ञापन देते हुए।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। असमानता और उत्पीड़न के विरुद्ध रिफाइनरी के संविदा श्रमिकों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन एडीएम शैलेन्द्र यादव को दिया। ज्ञापन में स्टेटिक और नॉन स्टेटिक श्रेणियों में श्रमिकों के वर्गीकरण के आधार पर पारिश्रमिक और सुविधाओं के अंतर को समानता के संवैधानिक अधिकार के विरुद्ध कहा गया। पेट्रोलियम वर्कर्स यूनियन कांट्रेक्ट वर्कर्स एम आर यूनिट के अध्यक्ष मधुवन दत्त चतुर्वेदी एडवोकेट के नेतृत्व में रिफाइनरी प्लांट, रिफाइनरी नगर और स्वर्ण जयंती अस्पताल के संविदा कर्मियों का प्रतिनिधि मंडल ने जनपद मुख्यालय पर एडीएम (न्यायिक) शैलेन्द्र यादव से भेंट कर संविदा श्रमिकों के साथ हो रहे भेदभाव और उत्पीड़न से अवगत कराते हुए पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गयी है कि पूर्व कार्यकारी निदेशक एके तिवारी द्वारा दिये गये आश्वासन के अनुरूप लिखित अनुबंध किया जाए और पारिश्रमिक की अवैध वापसी पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए सेवा सुरक्षा के उपाय किये जाएं। संविदा श्रमिकों ने आईओसीएल की संविदा श्रमिक कल्याण योजना के तहत वर्ष 2017 से देय यातायात भत्ता मय एरियर तत्काल दिये जाने, जनवरी से देय ग्रेच्युटी और लीव एनकेशमेंट का भुगतान सभी ट्रेड्स के मजदूरों को तत्काल उपलब्ध कराने और पारिश्रमिक में कटौती नहीं हो, विरोध करने पर हटाए गये मजदूरों की बहाली करने की भी पुरजोर मांग की गयी।

इस अवसर पर यूनियन के मंत्री कामरेड जनक, एडवोकेट बनवारी लाल, टाउनशिप उपशाखा के अध्यक्ष दिलीप दुबे, उपाध्यक्ष गरीब दास, राजकुमार, मुंशीलाल, दिनेश पंडित, लक्ष्मण लवानिया, विवेक सारस्वत, चांद खान, रामगोपाल, अतुल चौहान, सुभाष जादौन, महेश शर्मा आदि मौजूद थे। एडीएम ने श्रमिक नेताओं को आश्वस्त किया कि उनकी उचित मांगों पर कार्यवाही की जाएगी।

बरसाना के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया

कहीं मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन में तो नहीं हो रहा ऐसा

मथुरा के लोग बोले... धार्मिक भावना भड़काने वालों को कड़ी सजा मिले

बरसाना के होटल में हुआ कृत्य क्षमा योग्य नहीं

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना के एक होटल में विशेष समुदाय के मामा-भांजे की करतूत ने श्रद्धालु और ब्रजवासियों को सोचने को विवश कर दिया है कि कहीं इस तरह बर्तन धोने की प्रक्रिया ब्रज के अन्य स्थलों पर तो नहीं हो रही है। यदि इस तरह से हो रहा है तो अब होटल और रेस्टोरेंटों पर खाना खाने से विश्वास उठ जाएगा। बरसाना की वायरल वीडियो को लेकर यूनिक समय टीम ने लोगों की प्रतिक्रिया जानी। सभी ने कहा कि बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है।
वजह है कि कहीं रोटियों पर थूक लगाया जा रहा है। कहीं सब्जी में पेशाब परोसा जा रहा है। कहीं शौचालय में होटलों के बर्तन धोये जा रहे हैं। इनको रोकने के लिए सभी धर्मों के धर्म गुरु, पादरी तथा मौलवियों को अपने अपने धर्मानुयाईयों के मध्य नैतिकता व स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

विहिप के महानगर अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल ने बताया कि हमारे सनातन धर्म में वर्ण व्यवस्था पहले से थी। अब इन व्यवस्थाओं का ह्रास हो गया है। हिन्दू नाम से दूसरे धर्म के लोग ऐसे कृत्यों को जानबूझकर अंजाम दे रहे हैं।

जगन्नाथ पुरी निवासी अजय अग्रवाल ने बताया कि यह लोगों में अज्ञानता, कटरवादिता का परिणाम है, जिससे धार्मिक भावनाओं से लोग खिलवाड़ कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। क्या किसी साजिश है।

द्वारकाधीश मंदिर के विधि सलाहकार एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि यह संस्कृति का विनाश करने की साजिश है। पहले सभी हाथ पैर धोकर भोजन करते थे। भोजनालयों में ऐसे कृत्य निंदनीय है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के सामने दुकान करने वाले देवकीनंदन शर्मा ने माना कि शौचालय में खाने पीने के बर्तन धोना अपराध है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रतिष्ठान पर काम पर नहीं रखना चाहिए। स्वाद के स्वच्छता बहुत जरूरी है।

होलीगेट के मेडिकल व्यवसायी राजू खंडेलवाल ने बताया कि किस पर विश्वास करें। लोग छिपकर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने में जुटे हैं। बरसाना के होटल में हुआ कृत्य क्षमा योग्य अपराध नहीं है।

भाजपा नेता संजय गोविल ने कहा कि एक समुदाय विशेष के युवाओं द्वारा जानबूझकर ऐसे कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। ऐसे में धर्मस्थलों में ही नहीं देश में कही भी अपने खाने पीने के प्रतिष्ठान पर जांच परखकर लोगों को काम पर रखें।

व्यवसायी जुगनू शर्मा ने बताया कि लोग अपने धर्म से ही शिक्षा नहीं ले रहे हैं। बल्कि कटरपंथियों के बहकावे में आकर ऐसा कृत्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों का बहिष्कार सभी धर्म के लोगों को सार्वजनिक रूप से करना चाहिए।

राया के हॉस्पिटल में गर्भवती महिला व बच्चे की मौत, परिजनों काटा हंगामा

राया के हॉस्पिटल में महिला की मौत की खबर मिलने के बाद ग्रामीणों को समझाने पहुंची पुलिस।

संवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत सैनी कॉलोनी स्थित जी डी एम हॉस्पिटल में डिलीवरी के दौरान महिला और उसके बच्चे की मौत हो गयी। महिला की मौत होने पर परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी और लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। हंगामा देख चिकित्सक हॉस्पिटल छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार गांव सिमाना निवासी शशिपाल की पत्नी अनिता (24) को परिजन डिलीवरी के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल जी डी एम में सुबह भर्ती किया था। डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मौत हो गयी। प्रसूता की मौत होने पर परिजनों ने जमकर हंगामा काटा, हंगामा देख चिकित्सक स्टाफ अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। हंगामे की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल मौके पर पहुंच गए और लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गरीब बेटी की शादी में दिया सामान

गरीब बेटी की शादी में सामान देने के बाद खड़े नरेंद्र कुमार।

संवाददाता

यूनिक समय, छाता। छाता क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऐच निवासी समाजसेवी भाई नरेंद्र कुमार की ओर से क्षेत्र में निर्धन गरीब परिवार की लड़कियों की शादी हेतु आर्थिक रूप से सहायता दी जा रही है। मुख्य रूप से उन बेटियों के "कन्यादान" करने के लिए जिनके परिवार शादी का खर्च नहीं उठा सकते हैं। भाई नरेंद्र कुमार शादी का खर्च वहन करके लड़की और उसके परिवार की सहायता करने की कोशिश करते हैं। अपनी क्षमता के अनुसार अपने द्वारा बचत किए हुए धन को गरीब लड़कियों की शादी के लिए देते हैं। समाजसेवी नरेंद्र ने पांडवन कॉलोनी होडल पलवल निवासी रेशम की लड़की सुमन की शादी में लड़की के घर पहुंच कर कुछ धनराशि सामान उपलब्ध कराया।

श्रीहरिदासपीठ मंदिर में की गई बाल गोपालों की सेवा

यूनिक समय, वृन्दावन। श्री हरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट ने आज बिहारीजी की प्रधानगली स्थित प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में बालगोपाल सेवा समारोह का आयोजन किया। कई धार्मिक मनोरथ हुए। रात्रि में बच्चों का विशेष भंडारा किया गया। उन्हें विभिन्न उपहार भी प्रदान किये गये। ट्रस्ट संस्थापक श्रीहरिदास पीठाधीश्वर इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी महाराज के सानिध्य में हुए बालगोपाल सेवा समारोह अंतर्गत प्रातः काल आराध्यप्रभु का पूजन अर्चन कर विशेष भोग पदार्थ अर्पित किए गए। संध्याकाल में हरिदासजी के समक्ष भजन कीर्तन, बधाई गायन व प्रसाद वितरण किया गया। रात्रि 8 बजे से बालगोपाल सेवा की गई। मुख्यअतिथि देहरादून निवासी वरिष्ठ समाज सेविका एवं ट्रस्ट की प्रधान संरक्षिका श्रीमती कुसुम कानोडिया एवं विशिष्ट अतिथि दिल्ली से आई समाजसेविका शोभा गौड़ थी। संचालन ट्रस्ट कोषाध्यक्ष निवेदिता गोस्वामी ने किया। आशुकवि आचार्य प्रेम बल्लभ गोस्वामी महाराज ने आभार जताया।

मामा ने भांजी के साथ किया दुष्कर्म का प्रयास

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ उसके रिश्ते के मामा द्वारा दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मामला शहर के निकटवर्ती एक गांव का है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उसके भाई के साला राहुल पुत्र पन्नी लाल उर्फ पन्नालाल निवासी सुभाष कॉलोनी बल्लभगढ़ फरीदाबाद हरियाणा घर आया हुआ था। आरोप है कि युवक ने रसोई में काम कर रही उसकी नौ वर्षीय पुत्री को बुरी नीयत से दबोच लिया। उसका शारीरिक शोषण करने का प्रयास किया। पीड़िता ने किसी तरह बचते हुए शोर मचाया। तब कहीं जाकर उसे बचाया गया। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने आरोपी साला राहुल के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कहानी लेखन में ज्वाला और भाषा वृक्ष में अमन समूह प्रथम

समर कैंप में छात्राओं ने सीखे योग के विभिन्न आसन

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोहवन में चल रहा है कैंप

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोहवन में समर कैंप के 12वें दिन शिक्षिकाओं ने विद्यालय की छात्राओं को भद्रासन, ताड़ासन, तितली आसन, सूर्य नमस्कार आदि आसन की क्रिया और उनके लाभ बताए। दूसरी गतिविधि कल्पनाशील कहानी लेखन की विधि पर प्रधानाचार्य कविता सक्सेना ने छात्राओं को टॉपिक दिए गए। इस पर उन्हें अपनी कल्पना से कहानी लिखने के लिए प्रयोग किया जा सके। कहानी लेखन प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया। कहानी लेखन प्रतियोगिता में ज्वाला कक्षा 9 प्रथम, लवली कक्षा 10 द्वितीय तथा गोविंद कक्षा 9 तृतीय स्थान पर रहे। भाषा वृक्ष का निर्माण कराया गया बच्चों को हिंदी की उपभाषा और बोलियां से एक वृक्ष का निर्माण करने के लिए कहा गया है। इसमें छात्र छात्राओं ने चार्ट पेपर पर रंगों से भाषा वृक्षों का निर्माण किया। भाषा वृक्ष निर्माण प्रतियोगिता में अमन का समूह प्रथम, लवली समूह द्वितीय तथा भारती गौड़ के समूह तृतीय स्थान पर रहा। बच्चों को समर कैंप की कोई यादगार पल लिखने के लिए दिया गया। इसमें विद्यार्थियों ने समर कैंप की विभिन्न यादगार झलकियों के बारे में लिखा। आयोजन में शिक्षिका लतापांडे ने सहयोग दिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव नवीपुर औद्योगिक क्षेत्र के समीप सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। घटनाक्रम के अनुसार नवीपुर औद्योगिक क्षेत्र के कट पर रविवार की सुबह अचानक एक कार ने बाइक सवार को रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक सवार कार की टक्कर से बुरी तरह घायल हो गया। जिसे लोगों की मदद से पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त योगेश (28) पुत्र चेतराम निवासी गांव जलालपुर छाता के रूप में हुई। सूचना पर परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

सुनीता की हत्या का राज खुला

प्रेम प्रसंग के कारण पिता, पति और देवर ने हत्या की

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना खेरागढ़ क्षेत्र के गांव भोपुर में 31 मई को सड़क किनारे खेतों के पास मिली एक महिला की लाश ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया था। पुलिस ने महज कुछ घंटों में हत्या की इस गुत्थी को सुलझाते हुए जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला और अमानवीय था। मृतका की शिनाख्त सुनीता निवासी बसई नवाब, धौलपुर के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि उसकी हत्या पिता कोमल सिंह, पति पवन और देवर जल सिंह ने मिलकर की थी। हत्या का कारण सुनीता का अपने पति के चचेरे भाई विष्णु से प्रेम संबंध बताया गया है।

पुलिस के अनुसार, 30 मई की रात सुनीता को बेरहमी से पीट–पीटकर मार डाला गया। उसके पिता, पति और देवर ने पहले घर में मारपीट की, फिर जब वह अपनी जान बचाने के लिए कमरे में बंद हो गई, तो उन्होंने खिड़की तोड़कर दरवाजा खोला और अंदर घुस

पुलिस ने तीनों आरोपी गिरफ्तार किए

गए। तीनों ने मिलकर कमरे में ही उसकी इतनी पिटाई की कि सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद तीनों आरोपियों ने सुनीता के शव को बाइक पर रखा और गांव से दूर खेरागढ़ के भोपुर गांव के पास सड़क किनारे खेतों के पास फेंक दिया। इसके बाद आरोपी घर लौट आए और कोमल सिंह ने पत्नी को धमकाया कि यदि किसी को कुछ बताया, तो उसे भी जान से मार देंगे। मृतका की बहन पूजा ने पुलिस को बताया कि सुनीता का वैवाहिक जीवन अत्याचार और हिंसा से भरा था। उसका पति पवन आए दिन उसे पीटता था, जिससे परेशान होकर वह उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। इसी बीच उसका प्रेम संबंध अपने पति के चचेरे भाई विष्णु से हो गया। दोनों एक–दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन परिवार इस रिश्ते के सख्त खिलाफ था। 29 मई को पूजा ने सुनीता को मायके, बसई नवाब (धौलपुर) छोड़ दिया था। लेकिन 30 मई की रात करीब 11 बजे सुनीता ने विष्णु को फोन कर कहा "मेरे पिता और पति मुझे मार देंगे। मुझे किसी तरह बचा लो।" इसके कुछ ही देर बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। घबराए विष्णु ने कोमल सिंह को छह बार कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वह रात में ही सुनीता के घर पहुंचा, लेकिन वहां किसी ने सुनीता के बारे में कुछ नहीं बताया। पुलिस की पूछताछ में यह भी सामने आया कि कोमल सिंह ने अपनी तीनों बेटियों की शादी 2010 में खेरागढ़ के एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों से की थी। बड़ी बेटी पूजा ने 5 साल पहले पति से तलाक लेकर दूसरी शादी कर ली थी। अब जब सुनीता भी अपने पति को छोड़कर चचेरे देवर से शादी करना चाह रही थी, तो कोमल सिंह को लगा कि इससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी। इसी "इज्जत" और "बदनामी" के डर ने उसे हैवान बना दिया। पति पवन भी इस रिश्ते को लेकर बेहद नाराज था। सात दिन पहले भी सुनीता और पवन के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें पवन ने उसे धमकाया था कि वह उसे जबरन साथ ले जाएगा। 31 मई की सुबह जब ग्रामीणों ने महिला का शव देखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास के थानों में शव की तस्वीरें भेजीं, जिसके बाद उसकी पहचान सुनीता के रूप में हुई। कोमल सिंह भी मौके पर पहुंचा और बेटी की गुमशुदगी का नाटक करने लगा। हालांकि पुलिस को उसकी हरकतें संदिग्ध लगीं और जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई, तो वह टूट गया और पूरी सच्चाई उगल दी। एसीपी खेरागढ़ इमरान अहमद ने बताया कि हत्या का स्थान धौलपुर जिला क्षेत्र में आता है, इसलिए मामला वहीं ट्रांसफर कर दिया गया है। धौलपुर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर्य समाज के चुनाव में डॉ. प्रकाश प्रधान और सुरेंद्र वर्मा मंत्री चयनित

यूनिक समय, कोसीकलां। आर्य समाज के वार्षिक चुनाव में डॉ. प्रकाश आर्य को सर्व सम्मति से समाज का प्रधान एवं सुरेंद्र वर्मा को मंत्री बनाया गया है। दोनों पदाधिकारियों का समाज के लोगों ने स्वागत किया। शहर के पुराना जीटी रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में हुए आर्य समाज के वार्षिक चुनाव के बाद डॉ. प्रकाश आर्य ने कहा कि इस जिम्मेदारी का सत्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। इस दौरान डॉ. अमर सिंह पौनियां, ओमप्रकाश आर्य, विजय आर्य, रज्जी आर्य, शरद आर्य गिढोहिया, वीरेंद्र आर्य, डॉ योगेश आर्य, शिवम आर्य, महेश आर्य, नरेंद्र सिंघल एवं विनय उपाध्याय आदि मौजूद थे।

पूर्णमति माता का मंगल प्रवेश तीन को

यूनिक समय, कोसीकलां। जैन समाज की साध्वी वात्सल्यमयी आर्यिका पूर्णमति माताजी का शहर में तीन जून को मंगल प्रवेश होगा। इसको लेकर समाज ने तैयारियां शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए ऋषभ जैन ने बताया कि माताजी का मथुरा से मंगल बिहार शुरू हो चुका है। मंगलवार को उनका शहर में मंगल प्रवेश होगा। बाईपास पर समाज के लोग उनके स्वागत एवं दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

"बोलती तस्वीर"

जानलेवा लापरवाही

गुरुनानक नगर के पास एक युवक बिना किसी सुरक्षा उपाय के साइकिल सहित रेलवे ट्रैक पार करता हुआ, जोकि न केवल उसके जीवन के लिए खतरा है बल्कि रेलवे नियमों का भी उल्लंघन है। ऐसे कृत्य गंभीर दुर्घटनाओं को न्योता दे सकते हैं। जनता से अपील है कि रेलवे क्रॉसिंग का ही उपयोग करें और सतर्क रहें। छाया–प्रदीप कांत मिश्रा।

24 घंटे के भीतर दो मुठभेड़, दो बदमाश घायल, तीन फरार

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दो मुठभेड़ों में पुलिस की गोली लगने से दो शातिर बदमाश घायल हो गए। दोनों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए। दोनों ही मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई हैं। शनिवार देर रात शाहगंज थाना क्षेत्र में पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध युवकों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश की पहचान विष्णु कश्यप के रूप में हुई है, के पैर में गोली लग गई।

गोली लगने के बाद वह बाइक से गिर पड़ा, जिसे पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। विष्णु को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उसका एक साथी मौके से भागने में कामयाब हो गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार विष्णु कश्यप पर शाहगंज सहित कई अन्य थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चोरी और लूटपाट शामिल हैं। फरार साथी की तलाश में पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। दूसरी मुठभेड़ रविवार सुबह सैया थाना क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस को हाल ही में एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से लूट की घटना में शामिल बदमाशों की जानकारी मिली थी। जब पुलिस ने संदिग्ध बदमाशों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने भी पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश साहब के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया और मौके पर गिर पड़ा। घायल साहब को पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर अस्पताल भिजवाया। उसके दो साथी भाग निकले, जिनकी तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह ने हाल ही में कई लूटपाट की वारदातों को अंजाम दिया था और इनकी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। दोनों ही घटनास्थलों से पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचे और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए बदमाशों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है, ताकि उनके अन्य साथियों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी मिल सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही फरार बदमाशों को भी पकड़ लिया जाएगा।

जिले में बिना परमीशन के चल रहे हैं स्विमिंग पूल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में संचालित अधिकांश स्विमिंग पूलों में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है। इनमें से कई पूलों में न तो लाइफ गार्ड है, न ही पानी की स्वच्छता की जांच की जाती है। इसके अलावा, प्राथमिक उपचार की सुविधा, लाइफ जैकेट, और गहराई की स्पष्ट मार्किंग जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं भी नहीं हैं। स्विमिंग पूल केवल अवैध है, बल्कि लोगों की जान के लिए भी खतरा भी है, लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी इस तरफ कोई ध्यान ही नहीं था। मिली जानकारी के अनुसार जिले में चालीस के करीब स्विमिंग पुल है न तो कोई किसी कार्यालय में रजिस्टर्ड है, और ना हीं किसी अधिकारी के पास कोई लिस्ट है।

दो स्विमिंग पूल के स्वामियों को थमाए नोटिस

जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज कुमार यादव ने बताया जिले में एक भी स्विमिंग पूल का पंजीकरण नहीं है और जल्द ही सभी पूलों की जांच कराई जाएगी। इनमें से चार पर सीज की कार्यवाही की जा चुकी है। दो स्विमिंग पुल के स्वमियों को नोटिस भेज दिए गए है। क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि यदि बिना मानक जिले में कोई भी स्विमिंग पूल चलता हुआ मिलता है, तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। समय–समय पर बिना मानक के चल रहे स्विमिंग पूलों के खिलाफ जांच की जा रही है।

अवैध मदिरा की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई

कार से तस्करी की अंग्रेजी शराब बरामद

सोनीपत निवासी दो व्यक्ति गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना रिफाइनरी अंतर्गत बरारी पुलिस चौकी मोड़ के सामने पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों को बड़ी सफलता हाथ लगी। चेकिंग के दौरान एनएच 19 के एल एच एस पर हरियाणा की ओर से आ रही सफेद रंग की कार को रोका गया। इस कार में अवैध रूप से छिपा कर हरियाणा से दरभंगा बिहार ले जाई जा रही 268 बोतल व 349 हॉफ रॉयलग्रीन ब्रांड तथा 22 बोतल ऑफिसर्स चॉइस ब्रांड

कार में जब्त की गई अंग्रेजी शराब।

बरामद की गई। कार में सवार अभियुक्त गोविंद पुत्र मेर सिंह निवासी ग्राम गढ़ी हकीकत थाना मोहना सोनीपत तथा सचिन पुत्र चांदराम निवासी रतनगढ़ थाना मोहना जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों से बरामद मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 278000 रुपये है।

अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर आगरा में कार्यक्रम

उप राष्ट्रपति बोले... अहिल्याबाई की सोच आज सीएम योगी में दिखती है

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। आगरा में रविवार को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर जीआईसी मैदान में कार्यक्रम हुआ। इसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अहिल्याबाई की सोच आज सीएम योगी में दिखती है। उन्होंने कहा कि योगी जी ने जिन कठिन कार्यों को पूरा किया है, वे प्रेरणादायक हैं और पीढ़ियों तक याद किए जाएंगे। उन्होंने खुद को अहिल्याबाई से जोड़ते हुए कहा कि जैसे वो धनगर थीं, मैं धनखड़ हूं जो हम पर हाथ डालेगा, उसे नहीं छोड़ेंगे। श्री धनखड़ ने भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यूपी में बनी ब्रह्मोस मिसाइल की गूंज दुश्मन के कानों तक पहुंचती है। उन्होंने अहिल्याबाई को न्यायप्रिय, महिला सशक्तिकरण की प्रतीक और राष्ट्र की धरोहरों की

मुख्यमंत्री का ऐलान... आगरा में लोकमाता के नाम पर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू होगा

संरक्षक बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में माफिया पाले जाते थे, कानून व्यवस्था संकट में थी, लेकिन आज सुशासन और कानून का राज स्थापित हो चुका है। उन्होंने ऐलान किया कि आगरा में लोकमाता के नाम पर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और औरैया मेडिकल कॉलेज का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। सीएम ने कहा कि काशी, अयोध्या, केदारनाथ के पुनरुद्धार में भी अहिल्याबाई की प्रेरणा झलकती है। कार्यक्रम में अहिल्याबाई की 12 किलो की अष्टधातु से बनी प्रतिमा भी भेंट की गई। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और महाराष्ट्र विधानसभा के सभापति भी उपस्थित थे।

चाय पीते समय ये गलतियां पड़ सकती हैं सेहत पर भारी

यूनिक समय, मथुरा। चाय में बहुत अधिक चीनी नहीं मिलानी चाहिए। बहुत ज़्यादा चीनी खाने से वज़न बढ़ सकता है, टाइप 2 डायबिटीज़, हृदय रोग और दांतों की समस्याएं होने की संभावना भी रहती है। इतना ही नहीं, इससे आपको चाय के एंटी–ऑक्सीडेंट लाभ भी नहीं मिल पाते हैं। चाय एक ऐसी ड्रिंक है, जिसका सेवन करना बहुत अच्छा माना जाता है। अमूमन लोग दिन की शुरुआत में चाय पीना काफी पसंद करते हैं। इससे उन्हें एनर्जेटिक फील होता है।

यहां तक कि काम की थकान होने पर भी लोग चाय का सेवन करते हैं। अगर लोग हर्बल चाय का सेवन करते हैं तो इससे उनकी सेहत पर भी अच्छा असर पड़ता है।

लेकिन कई बार हम चाय का सेवन गलत तरीके से करते हैं। जिसका भुगतान हमारी सेहत को करना पड़ता है। चाय आपके लिए अच्छी हो सकती है, अगर उसे सही तरह से पिया जाए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चाय के सेवन से जुड़ी कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं–

बहुत ज़्यादा चीनी मिलाना

चाय में बहुत अधिक चीनी नहीं मिलानी चाहिए। बहुत ज़्यादा चीनी खाने से वज़न बढ़ सकता है, टाइप 2 डायबिटीज़, हृदय रोग और दांतों की समस्याएं होने की संभावना भी रहती है। इतना ही नहीं, इससे आपको चाय के एंटी–ऑक्सीडेंट लाभ भी नहीं मिल पाते हैं। कोशिश करें कि आप चाय में चीनी को सीमित मात्रा में या बिलकुल भी न मिलाएं। साथ ही, शहद या स्टीविया जैसे प्राकृतिक स्वीटनर का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें।

खाली पेट चाय पीना

खाली पेट चाय पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। खासतौर से, स्ट्रॉन्ग ब्लैक या ग्रीन टी, एसिडिटी और पेट में जलन पैदा कर सकती है। इतना ही नहीं, इससे बाद में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों से आयरन का अवशोषण सही तरह से नहीं हो पाता। इसलिए, खाने के बाद या हल्के नाश्ते के साथ चाय पिएं।

अत्यधिक मात्रा में सेवन करना

चाय पीना आपको पसंद हो सकता है, लेकिन आपको इसे बहुत अधिक मात्रा में नहीं पीना चाहिए।

इससे उसमें कैफीन की अधिक मात्रा हो सकती है, जिससे आपको अनिद्रा, एंग्जाइटी, हृदय गति में वृद्धि और पाचन संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। इससे ऑक्सालेट का अधिक सेवन भी हो सकता है, जो किडनी स्टोन का कारण बन सकता है। इसलिए आप दिनभर में 2–3 कप से अधिक चाय का सेवन ना करें।

साबूदाना खिचड़ी में मिला लीजिए एक चीज,नहीं चिपकेगी

कविता गौतम

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना अगले माहसे शुरू होगा। सावन सोमवार का व्रत कई सारे लोग रखते हैं। अगर आप व्रत के लिए साबूदाना खिचड़ी बनाने जा रहे हैं, तो उसे खिली–खिली बनाने के लिए अपनाएं ये तरीका।

सावन माह की शुरुआत11जुलाई से शुरू होगी। शिव भक्तों के लिए सावन का महीना बेहद खास होता है।

इस दौरान लोग सावन सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत, एकादशी, प्रदोष व्रत और तीज का व्रत रखते हैं। जो लोग व्रत रखते हैं वो फलहारी के लिए साबूदाना की खिचड़ी जरूर बनाते हैं, इसे बनाना तो काफी आसान है, लेकिन इसे खिला–खिला बनाना काफी मुश्किल है। हालांकि, साबूदाना की खिचड़ी काफी टेस्टी होती है, अब यह चाहें चिपचिपी बनी हो या सूखी हो। अगर आप भी खिली–खिली खिचड़ी बनाना चाहते हैं, तो उसे बनाते समय बस एक चीज डाल दें, जिससे खिचड़ी का स्वाद बहुत ही दानेदार खिली–खिली बनेगी।

खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी कैसे बनाएं?

खिचड़ी बनाने के लिए साबूदाना के बड़े दाने वाले पैकेट खरीदें। साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए साबूदाना को भिगो लें। साबूदाना को भिगोने से पहले 2–3 बार धो लें, इससे उसका स्टार्च भी धूल जाए। इसके बाद साबूदाना में उतना ही पानी डालना जितना साबूदाना हो, नहीं तो साबूदाना ज्यादा पानी सोख लेगा और फिर जब इसे बनाएंगे तो चिपचिपा बनेगा। साबूदाना कम पानी को अच्छे से सोख लेगा और गिला नहीं होगा।

बनाने की विधि : साबूदाना 3–4 घंटे में भीग जाए, तो उसके पानी को छान लें अगर आप उस निथारकर अलग रख दें। एक पैन में तेल डालकर गर्म करें और जीरा, राई करी पत्ता डालकर चटकाएं। फिर इसमें उबले हुए आलू के बारीक टुकड़े हरी मिर्च और भीगे हुए साबूदाना को डालकर मिक्स करें। अब नमक और धनिया डालकर मिक्स करें। साबूदाना खिचड़ी को खिली–खिली बनानेके लिए मूंगफली का पाउडर बना लें।

मूंगफली को पैन में डालकर रोस्ट करें और छिलका उतारकर पीस लें। फिर इस पाउडर को खिचड़ी में डालें और अच्छे से मिक्स कर ढक दें। दरअसल, मूंगफली में तेल की अच्छी मात्रा होती है, जो साबूदाना में पड़ने के बाद उसमें चिपककर उसे बाकी दोनों से अलग–अलग करती है। खिचड़ी को कुछ देर तक ढक कर भाप में पकाएं, ताकि वह कच्चा न रह जाए। तैयार है आपकी साबूदाना की खिचड़ी गर्मा–गर्म सर्व करें।

ऑफिस में नजर आना चाहती हैं अट्रैक्टिव तो एक्ट्रेसेस के सूट लुक से लें इंस्पिरेशन

यूनिक समय, मथुरा। सूट कई सारे मौकों पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है लेकिन अगर आप ऑफिस जाते हैं और न्यू लुक चाहती हैं तो आप इन सूट का चुनाव कर सकती हैं।

सूट कई सारे मौकों पर वियर कर किया जा सकता है लेकिन अगर आप ऑफिस गोइंग वुमन हैं और सूट पहनने का सोच रहे हैं तो, ये आर्टिकल आपके काम का हो सकता है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ सूट लुक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इन सूट लुक से आप ऑफिस में पहनने के आउटफिट आइडिया ले सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएगा तो वहीं आपका लुक भी स्टाइलिश नजर आएगा।

फ्लोरल प्रिंट अनारकली सूट : ऑफिस में आप इस तरह का फ्लोरल प्रिंट अनारकली कुर्ता वियर कर सकती हैं।

यह फ्लोरल प्रिंट अनारकली सूट सिंपल है और इस तरह के सूट में आप खूबसूरत भी नजर आएंगी। इस सूट में अट्रैक्टिव नजर आने के लिए आप झुमके वियर कर सकती हैं साथ ही फुटवियर में आप हील्स पहन सकती हैं। इस तरह सूट को आप 1000 रुपये तक की कीमत में ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीद सकती हैं।

कलीदार सूट : अगर आप ऑफिस की किसी पार्टी या इवेंट में हिस्सा ले रही हैं तो आप इस तरह के कलीदार सूट का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह का सूट इन दोनों मौकों के बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह सूट लाइट कलर में है और इस तरह के सूट में आप काफी खूबसूरत नजर आएंगी। इस सूट के साथ आप कोल्हापुरी फ्लैट साथ पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी मैच करके वियर कर सकती हैं। यह आउटफिट के आप बाजार से ले सकती हैं साथ ही ऑनलाइन भी आपको ये सूट 2000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। वहीं यह सूट आप किसी दरजी की मदद से भी सिलवा सकती हैं।

घेरदार सूट : रॉयल लुक के लिए आप घेरदार सूट वियर कर सकती हैं। इस तरह का सूट आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिल जाएगा। वहीं इस सूट को आप 2000 रुपये तक की कीमत में ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीद सकती हैं। इस सूट के साथ आप झुमके साथ चूड़ी वियर कर सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स या फ्लैट्स पहन सकती हैं।

इंडियन ड्रेसेस में दिखना है लंबा, तो तुरंत अपनाएं ये पांच टिप्स

वर्षा, फैशन डिजाइनर

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपने कभी कोई ड्रेस किसी मॉडल या किसी एक्ट्रेस को देखकर सिलवाई या खरीदी है। पर जब आप उसे पहनती हैं तो वो उतनी नहीं जचती जितनी उस पर खिल रही थी। इसकी वजह है कि आपकी लंबाई। दरअसल कई बार दूसरों पर सुंदर लगने वाली ड्रेस खरीद लेते हैं, लेकिन कम हाइट की वजह से वो ड्रेस आप पर जचती नहीं है। लेकिन अगर आप कुछ स्टाइलिंग टिप्स का ध्यान रखेंगी तो आप अपने ड्रेस में पहले से लंबी नजर आएंगी। आजकल कई तरह के लोअर्स के डिजाइन आपको देखने को मिलते हैं, जैसे शरारा, गरारा, प्लाजो, पेंट्स वगैरह–वगैरह, लेकिन अगर आप अपने कुर्ते के साथ गलत लोअर पहनते हैं तो भी आपकी हाइट कम लगने लगती है। आइए आपको बताते हैं कि आपको कौन से लोअर्स चुनने चाहिए, जो आपकी हाइट को कई गुना बढ़ा देंगे।

आज हम आपको इंडयिन वीयर के साथ कैसे लोअर्स पहनने चाहिए उसके बारे में बता रहे हैं, ताकि आपकी हाइट ज्यादा नजर आए। एक्सपर्ट्स की मानें तो आप के कुर्ते की लेंथ का आपकी हाइट पर ज्यादा असर नहीं पड़ता है। ये सीधा–सीधा आपके लोअर्स से कनेक्टेड होता है। सबसे पहले ध्यान रखें कि एक ही कलर का पूरा ड्रेस पहनें। इससे व्युजली ये प्रभाव बनता है कि आप लंबे हैं। लेकिन वहीं जब आप अलग कलर का कुर्ता और लोअर पहने हैं तो जहां कलर खत्म होता है, वहां एक विजन ब्रेक होता है, इसलिए कोशिश करें कि आपके टॉप और लोअर का कलर एक ही हो।

अब हमेशा ही एक ही तरह के कलर भी नहीं पहने जा सकते। मोनोटोन पहन–पहन कर भी आप बोर हो सकते हैं, तो ऐसे में आप ओम्ब्रे इफेक्ट वाले कपड़े पहन सकते हैं, यानी जब आप किसी डार्क कलर का उसी के लाइट कलर के साथ मिक्स ऐंड मैच करते हैं तो उसे ओम्ब्रे इफेक्ट कहते हैं। कई बार आप एक ही कलर का आउटफिट पहने हैं, लेकिन उसमें भी गड़बड़ हो जाती है। ऐसे ड्रेसेस में हम बड़े–बड़े चौड़े बॉर्डर ले लेते हैं। कुर्ते के हेमलाइन पर या अनारकली के घेरे पर भी इस तरह के बॉर्डर बने होते हैं। ये आपके विजन को ब्रेक करते हैं और इससे आपकी हाइट कम लगने लगती है। आप कोशिश करें तो चौड़े के बजाए पतले बॉर्डर वाले कपड़े कैरी करें।

लोअर्स की बात करें तो अगर आपका कद कम है तो आप कभी भी एंकल लेंथ या उससे ऊपर खत्म होने वाले लोअर न पहनें, क्योंकि आपकी लोअर की हाइट जहां तक होगी, आपकी हाइट भी वहीं तक डिफाइन नजर आएंगी। लेकिन वहीं अगर आप बूटकट लेंथ पहनते हैं या लंबा लोअर चुनते हैं तो ये आपकी हाइट को बड़ा दिखाएगा।

फेब्रिक की बात करें तो अगर आप लोअर बनवा रहे हैं तो थोड़ा सोफ्ट फेब्रिक चुनें। आप सिल्क या रॉसिल्क वाले लोअर न बनवाएं। वहीं आप क्रेप, पोलिस्टर, जॉर्जेट या शिफॉन में फेब्रिक चुनेंगे तो आपकी हाइट ज्यादा दिखाने मदद मिलेगी। लोअर में 2 चीजों का ध्यान रखें कि एक तो ये आपके कुर्ते के या टॉप के सिमिलर टोन में हो और इसपर ज्यादा चौड़े बॉर्डर न हों।

सुविचार

आलोचना के बिना कोई भी प्रशासन और कोई देश सफल नहीं हो सकता, और कोई भी गणतंत्र जीवित नहीं रह सकता।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	07:59-08:35 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मघा	09:37-10:55 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	11:38 AM
सूर्यास्त		7:05 PM	चंद्रास्त	12:39 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM –12:44 PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	07:24AM–09:04AM		वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

असली रुद्राक्ष की पहचान कैसे करें?

इन तरीकों से जानिए, आपका रुद्राक्ष असली है या नकली

यूनिक समय, मथुरा। रुद्राक्ष एक अमूल्य मोती है, जिसे धारण करने या प्रयोग करने से व्यक्ति को अचूक फल प्राप्त होते हैं। भगवान शिव का स्वरूप रुद्राक्ष जीवन को सार्थक बनाता है इसे अपनाने से सभी को समृद्ध जीवन की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष की अनेक प्रजातियां और विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं लेकिन सही रुद्राक्ष की पहचान करना एक कठिन कार्य है। जानिए चिराग दारूवाला से असली रुद्राक्ष को कैसे पहचाने।

आजकल बाजार में हर कोई असली रुद्राक्ष उपलब्ध कराने का दावा करता है, लेकिन इस कथन में कितनी सच्चाई है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लालची लोग रुद्राक्ष पर कई धारियां बनाकर उसे बारह मुखी या इक्कीस मुखी रुद्राक्ष बताकर बेच देते हैं। कभी–कभी दो रुद्राक्षों को जोड़कर एक रुद्राक्ष बना दिया जाता है जैसे गौरी शंकर या त्रिजुटी रुद्राक्ष। इसके अलावा इन्हें भारी बनाने के लिए इनमें सीसा या पारा भी मिलाया जाता है और कुछ रुद्राक्षों में सांप, त्रिशूल जैसी आकृतियां भी बनी होती हैं।

रुद्राक्ष की पहचान को लेकर कई भ्रांतियां हैं। जिसके कारण आम आदमी असली रुद्राक्ष की सही पहचान नहीं कर पाता और खुद को असाध्य पाता है। असली रुद्राक्ष की जानकारी न होना और पूजा–पाठ व साधना में असली रुद्राक्ष न होना पूजा और उसके प्रभाव को निरर्थक बना देता है। इसलिए जरूरी है कि पूजा के लिए रुद्राक्ष असली हो। रुद्राक्ष के समान एक और फल होता है जिसे भद्राक्ष कहते हैं और यह रुद्राक्ष जैसा ही दिखता है। भद्राक्ष देखने में रुद्राक्ष जैसा होता है लेकिन इसमें रुद्राक्ष जैसे गुण नहीं होते।

ऐसे करें पहचान: रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए इसे कुछ घंटों के लिए पानी में उबालें। अगर रुद्राक्ष का रंग न निकले या उस पर कोई असर न हो तो वह असली होगा। अगर रुद्राक्ष को काटने पर उसके अंदर भी उतने ही घेरे दिखें जितने बाहर हैं, तो वह असली रुद्राक्ष होगा। यह परीक्षण सही माना जाता है लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि रुद्राक्ष नष्ट हो जाता है। रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए उसे किसी नुकीली चीज से खुरचें। अगर उसमें से रेशे निकल आएं तो समझ लें कि रुद्राक्ष असली है। दो असली रुद्राक्षों की ऊपरी सतह यानी पठार एक जैसा नहीं होता, लेकिन नकली रुद्राक्ष का पठार एक जैसा होता है।

रुद्राक्ष को पानी में डालें। अगर वह डूब जाए तो वह असली होगा। अगर नहीं डूबे तो वह नकली है। लेकिन यह परीक्षण उपयोगी नहीं माना जाता, क्योंकि रुद्राक्ष के डूबने या तैरने की क्षमता उसके घनत्व और उसके कच्चे या पके होने पर निर्भर करती है। धातु या किसी अन्य भारी पदार्थ से बना रुद्राक्ष भी पानी में डूब जाता है। एक तरीका यह भी है कि दो तांबे के सिक्कों के बीच रुद्राक्ष की माला रखें यह थोड़ा हिलता है। अगर आप एक मुखी रुद्राक्ष को ध्यान से देखेंगे तो आपको इस पर त्रिशूल या आंख का निशान दिखाई देगा। अगर रुद्राक्ष की माला को लंबे समय तक तेज धूप में रखा जाए और रुद्राक्ष में दरार या टूटन न आए तो इसे असली माना जाता है।

रुद्राक्ष खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

रुद्राक्ष में कीड़े न लगे हों
रुद्राक्ष कहीं से भी टूटा हुआ न हो
रुद्राक्ष बिल्कुल गोल न हो
जो रुद्राक्ष छेद करते हुए फट जाए आदि।

रुद्राक्ष पहनने के फायदे
रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
रुद्राक्ष पहनने से करियर और कारोबार में भी आपको सफलता मिलती है
रुद्राक्ष पहनने से भाग्य का साथ मिलता है।
रुद्राक्ष धारण करने से मानसिक शांति मिलती है।
रुद्राक्ष पहनने से कई तरह के रोग दूर रहते हैं।

सूर्य को सही वक्त पर जल चढ़ाएं, पाएं चमत्कारी लाभ

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में सूर्य को अर्घ्य देना एक पवित्र और लाभकारी क्रिया मानी जाती है। इसे न केवल धार्मिक आस्था से जोड़ा गया है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी कारण भी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या आप सूर्य को सही समय पर जल अर्पित कर रहे हैं?

सूर्य को जल चढ़ाने का सर्वोत्तम समय सूर्योदय के समय का होता है। विशेष रूप से सुबह 6 बजे से 8 बजे के बीच सूर्य को अर्घ्य देना अत्यंत लाभकारी माना गया है। इस समय सूर्य की किरणें सीधी होती हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करती हैं और आंखों तथा त्वचा के लिए लाभकारी होती हैं। इससे विटामिन डी की प्राप्ति होती है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

जल अर्पण के लिए तांबे के लोटे का उपयोग सर्वोत्तम माना गया है। इसमें शुद्ध जल भरकर सूर्य की ओर मुख करके खड़े हों और जल को इस तरह अर्पित करें कि उसकी धार से छनकर सूर्य की किरणें आपकी आंखों तक पहुंचें। इस समय "ॐ सूर्याय नमः" या गायत्री मंत्र का उच्चारण किया जा सकता है।

नियमित रूप से सूर्य को जल चढ़ाने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और एकाग्रता में वृद्धि होती है। यह दिन की शुरुआत को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है और तनाव को कम करता है। जो लोग दिन में तीन बार त्रिकाल संध्या करते हैं, वे सुबह, दोपहर और शाम को अर्घ्य दे सकते हैं, लेकिन सामान्य जन के लिए सिर्फ सुबह जल चढ़ाना भी पर्याप्त है। यह सरल लेकिन शक्तिशाली अभ्यास आपके जीवन में सुख, शांति और संतुलन ला सकता है।

कुंडली देखकर ऐसे पता कर सकते हैं जन्म दिन में हुआ है या रात में

यूनिक समय, मथुरा। कुंडली को केवल देखकर ही आप जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म किस समय हुआ होगा। ये जानने के लिए किन बातों पर आपको गौर करना है, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। दोस्तों जन्म कुंडली देखकर आप किसी के भूत और भविष्य के बारे में तो बता ही सकते हैं, साथ ही आप ये भी जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म किस समय हुआ होगा। जन्म का समय जानने के लिए बस आपको कुछ बिंदुओं को याद रखना होगा। आइए विस्तार से जानते हैं कि, बस कुंडली देखते ही आप कैसे जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म दिन में हुआ है या रात में। जन्म दिन में हुआ है या रात में ऐसे जानें जन्म के समय को जानने के लिए कुंडली में सूर्य की स्थिति को देखा जाता है। सूर्य दिन के अलग–अलग समय पर अलग–अलग स्थान या भाव में होता है। आपको बता दें कि कुंडली में 12 भाव होते हैं और दिन के अलग–अलग समय पर सूर्य की स्थिति भी इन भावों में बदलती रहती है। जैसे सुबह के समय अगर प्रथम भाव में सूर्य है तो रात के समय पांचवें, छठे या सातवें भाव में हो सकता है। सूर्य की स्थिति को देखकर ही जन्म के समय की जानकारी मिल जाती है। अगर किसी व्यक्ति का जन्म रात्रि के समय 11 से 1 बजे के बीच हुआ हो तो सूर्य चतुर्थ भाव में होगा। किसी के तीसरे भाव में यदि सूर्य है तो जन्म का समय होगा रात्रि के 1 से 3 बजे के बीच। सूर्योदय से पहले यानि 3 से 5 बजे के बीच अगर व्यक्ति का जन्म हुआ हो तो सूर्य दूसरे भाव में होगा। सुबह के समय यानि 5 से 7 के बीच अगर किसी का जन्म होता है तो सूर्य देव लग्न भाव में स्थित होते हैं। 7 बजे से लेकर 9 बजे के बीच जिन लोगों का जन्म होता है, उनकी कुंडली के द्वादश भाव में सूर्य विराजमान होता है। सूर्य अगर एकादश भाव में है तो समझ जाइए व्यक्ति का जन्म 9 से 11 बजे के बीच हुआ होगा। सुबह 11 से दिन के 1 बजे के बीच जिनका जन्म होता है।

उनके एकादश भाव में सूर्य ग्रह विराजमान होते हैं। अगर आपका जन्म 1 से 3 बजे के बीच हुआ है तो सूर्य ग्रह नवम भाव में स्थित होंगे। दोपहर 3 बजे से लेकर शाम के 5 बजे के बीच अगर जन्म हुआ है तो सूर्य अष्टम भाव में विराजमान रहेंगे। शाम 5 से 7 के बीच अगर कोई जन्मा है तो सूर्य ग्रह सातवें भाव में आपको दिखेंगे। अगर 7 से 9 बजे के बीच का जन्म है तो सूर्य ग्रह छठे भाव में होंगे।

रात्रि में 9 से 11 के बीच जिनका जन्म होता है उनका सर्य पंचम भाव में होता है। इन बिंदुओं को अगर आप याद कर लें तो आसानी से किसी के भी जन्म का समय बता सकते हैं। जन्म के समय के अनुसार ही सूर्य ग्रह की स्थिति होती है। साथ ही ज्योतिष में यह भी माना जाता है कि सूर्य की स्थिति का व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर कुंडली में सूर्य की स्थिति अच्छी होती है तो व्यक्ति को राजकीय सम्मान मिलता है, ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं होती और जीवन में ये उंचाइयों को छूते हैं।

कभी नहीं होगा अपमान! बस याद रखें ये तीन बातें

यूनिक समय, मथुरा। कहते हैं कि जिसके पास धन–दौलत होती है, समाज में उसका मान–सम्मान अधिक होता है। लोगों के बीच एक अलग रुतबा होता है, लेकिन ऐसा नहीं हैं। दौलत–शोहरत से आप कुछ समय के लिए एक बार को लोगों के बीच मान–सम्मान हासिल भी कर लें, लेकिन अगर चाहते हैं कि जहां भी जाएं आपकी अच्छी सी खातिरदारी हो और हर कोई आने का इंतजार करने के साथ–साथ आपसे खुश रहे तो इसके लिए आपको आचार्य चाणक्य की नीति को अपनाना चाहिए।

जी हां, आचार्य चाणक्य नीतियों में कई बातें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें अपनाकर व्यक्ति खुद को बदलने के साथ–साथ अपना जीवन भी बदल सकता है। सफलता से लेकर मान–सम्मान हासिल करने तक के लिए चाणक्य नीति काम की साबित हो सकती है। आइए आपको आचार्य चाणक्य की 3 बातों के बारे में बताते हैं जिससे आप मान–सम्मान हासिल कर सकते हैं।

सही शब्दों का करें इस्तेमाल : आपके शब्द किसी का भी दिल जीत सकते हैं तो किसी का दिल तोड़ भी सकते हैं, जिस तरह से आप अच्छा सुनना पसंद करते हैं ठीक वैसे ही सामने वाला भी चाहता है कि उनसे अच्छे से बोला जाए। आपकी वाणी या बोल आपको समाज में इज्जत दिला सकती है। चाणक्य नीति में कटु वचन न बोलने की शिक्षा दी गई है। इसमें बताया गया है कि व्यक्ति को अपना स्वभाव अच्छा रखना चाहिए और सही शब्दों के इस्तेमाल के साथ अच्छी वाणी का प्रयोग करना चाहिए।

संगत से भी होता है असर : चाणक्य नीति में सही संगत में रहने की भी सलाह दी गई है। आप किसके साथ रहते हैं या उठते–बैठते हैं ये आपके व्यक्तित्व को दर्शाता है और इससे आपके मान–सम्मान में भी फर्क पड़ सकता है। जैसी संगत में रहेंगे आपको दूसरे लोग वैसा ही समझेंगे। इसलिए अपनी दोस्ती अच्छे संगति के लोगों के साथ ही रखें।

आपबीती से कुछ सीख लें : चाणक्य नीति में गलतियों से सीखने की सलाह दी गई है। अगर आपको लगता है कि आपने पहले कई गलतियां की है जिससे समाज में आपका मान–सम्मान कम हुआ है तो उन गलतियों को सुधार लें। अपने अंदर के अहंकार को एक तरफ रख, लोगों के साथ अपने संबंध को मधुर बनाने की कोशिश करें।

सम्पादकीय

झूम कर बरसने वाले बदरा को व्यर्थ बहने न दें, संरक्षित करें

बरसात का मौसम सिर्फ सौंदर्य या ठंडक का प्रतीक नहीं है, यह जीवन की आवश्यकता और प्रकृति का वरदान भी है। जब बदरा झूमकर बरसते हैं, खेतों की प्यास बुझती है, नदियों में जलधारा बहती है, कुएं-तालाब भरते हैं और धरती मुस्कुराने लगती है। लेकिन क्या हम इस प्राकृतिक अमूल्य उपहार का सही उपयोग कर पा रहे हैं? विडंबना यह है कि हर साल करोड़ों लीटर बारिश का पानी बहकर समुद्र में चला जाता है और कुछ ही महीनों बाद देश के कई हिस्सों में जल संकट गहरा जाता है। यह परिस्थिति केवल लापरवाही और अनियोजित जल प्रबंधन की देन है।

पवन गौतम
संपादक

बारिश का पानी प्रकृति का सबसे शुद्ध जल है। यदि इसे संरक्षित किया जाए, तो यह ना केवल जल संकट को कम कर सकता है, बल्कि भूजल स्तर को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लेकिन दुखद यह है कि आधुनिक विकास की दौड़ में हमने अपने पुराने जल संरक्षण के पारंपरिक तरीके जैसे तालाब, बावड़ी, झील, जलाशय आदि को या तो नष्ट कर दिया या उन्हें उपेक्षित कर दिया है। शहरीकरण के कारण अब छतों से गिरता पानी नालियों के रास्ते बह जाता है और भूजल रिचार्ज की संभावना खत्म हो जाती है।

जल संरक्षण के लिए सामूहिक जागरूकता और नीति दोनों की आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को केवल एक योजना भर न समझा जाए, बल्कि इसे जन आंदोलन बनाया जाए। स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों, कालोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों में इसे अनिवार्य किया जाना चाहिए। सरकारें यदि इमारत निर्माण स्वीकृति में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को अनिवार्य करें और इसके लिए सब्सिडी या प्रोत्साहन दें, तो यह बड़ी सफलता का माध्यम बन सकता है।

गांवों में पारंपरिक तालाबों की मरम्मत और शहरी क्षेत्रों में कृत्रिम झीलों के निर्माण से भी जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा वृक्षारोपण भी वर्षा जल को रोकने और मिट्टी के क्षरण को कम करने में सहायक है।

आज आवश्यकता है कि हम केवल प्रकृति से लेने की प्रवृत्ति से ऊपर उठें और उसे लौटाने की दिशा में भी कदम बढ़ाएं। वर्षा जल का संरक्षण केवल वर्तमान की नहीं, आने वाली पीढ़ियों की भी जिम्मेदारी है। जल संकट मानवता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर सकता है। अतः जब बदरा झूम-झूमकर बरसें, तो उन्हें व्यर्थ बहने न दें – उन्हें संजोएं, संरक्षित करें और आने वाले कल के लिए अमृत बनाएं।

नजरिया

डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच बढ़ती दूरियां

अमेरिका और वैश्विक राजनीति पर गहराता प्रभाव

कमलेश पांडेय

अमेरिकी राजनीति और वैश्विक तकनीकी जगत के दो दिग्गज-डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क-का साथ जितना आश्चर्यजनक था, उनका अलगाव उतना ही रोचक और दूरगामी प्रभाव वाला है। एक ओर मस्क हैं, जो नवाचार, निजी पूंजी और भविष्य की सोच के समर्थक हैं। दूसरी ओर ट्रंप हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रवाद और कठोर फैसलों के प्रतीक बन चुके हैं। इन दोनों के बीच बनी खाई अब न केवल अमेरिकी की प्रशासनिक प्रणाली में हलचल मचा रही है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों, निवेश के वातावरण और नीति निर्धारण पर भी असर डाल रही है।

एलन मस्क का ट्रंप सरकार के "सरकारी कार्यकुशलता विभाग" (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी) से अचानक त्यागपत्र देना मात्र एक प्रशासकीय बदलाव नहीं है, बल्कि यह निजी उद्योग जगत और सरकारी तंत्र के बीच टकराव का उदाहरण बन गया है। मस्क को "विशेष सरकारी कर्मचारी" का दर्जा दिया गया था, जिसके तहत वे प्रति वर्ष 130 दिन तक सरकारी सेवा दे सकते थे। परंतु कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही मस्क ने ट्रंप सरकार की नीतियों विशेषकर वित्तीय योजना और सीमा शुल्क नीति पर तीखी आलोचना आरंभ कर दी।

29 मई को मस्क ने सामाजिक माध्यम पर अपनी विदाई की घोषणा करते हुए लिखा कि उन्होंने "अनावश्यक सरकारी खर्चों को घटाने की पूरी कोशिश की, लेकिन परिणाम निराशाजनक रहे।" सरकारी कार्यकुशलता विभाग की शुरुआत एक अत्यंत महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत हुई थी, जिसका उद्देश्य दो खरब डॉलर की बचत करना था। लेकिन अप्रैल 2025 तक मात्र 160 अरब डॉलर की ही बचत हो सकी, और खर्चों में कटौती के उपायों में ही अरबों डॉलर व्यय हो गए।

ट्रंप की नवीन वित्तीय योजना मस्क और उनके बीच मतभेद की असली शुरुआत बन गई। इस योजना में रक्षा खर्च को बढ़ाया गया और लाखों करोड़ की कर छूट दी गई, जिससे केंद्रीय घाटा बढ़ने की आशंका हुई। मस्क ने इसे "केंद्रीय वित्तीय अनुशासन के विपरीत" बताया और कहा कि यह योजना "बड़ी तो हो सकती है, लेकिन सुंदर नहीं।"

इसके पश्चात ट्रंप के निकट सलाहकारों ने मस्क को प्रशासन में बाधा समझना आरंभ कर दिया। ट्रंप ने एक मंत्रिमंडल बैठक में स्पष्ट किया कि अब सरकारी कार्यकुशलता विभाग केवल सलाह देने वाला निकाय होगा, नीतिगत निर्णय मंत्रियों द्वारा लिए जाएंगे।

मार्च 2025 में एक महत्वपूर्ण मंत्रिमंडलीय बैठक के दौरान एलन मस्क की विदेश मंत्री मार्को रुबियो और परिवहन मंत्री सीन डफी से तीखी बहस हो गई। मस्क ने रुबियो को "केवल टेलीविजन के लिए उपयुक्त" कहा

और डफी की विमानन नीति पर सवाल खड़े किए। यह विवाद सार्वजनिक हुआ और समाचार माध्यमों में मस्क की आलोचना बढ़ने लगी। अंततः ट्रंप को हस्तक्षेप करना पड़ा और मस्क की अधिकार-सीमा को सीमित कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) को बंद करने का निर्णय मस्क का सबसे विवादास्पद फैसला बन गया। ट्रंप सरकार ने इसे "भ्रष्ट संस्था" बताते हुए अधिकांश कार्य विदेश मंत्रालय को सौंप दिए। मस्क ने इसे "उग्र वामपंथी संगठन" करार दिया और कहा कि यह "राजनीतिक प्रचार" चला रही थी। परिणामस्वरूप, राजधानी में हजारों कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया और कई देशों में चल रही सहायता योजनाएं प्रभावित हुईं, जिनमें भारत भी शामिल है।

यह निर्णय अमेरिका की "मुलायम शक्ति" (सॉफ्ट पावर) की रणनीति को कमजोर करता है और वैश्विक मंच पर उसकी छवि को धक्का पहुंचाता है।

ट्रंप के करीबी माने जाने वाले विवेक रामास्वामी को भी प्रारंभ में सरकारी कार्यकुशलता विभाग में महत्त्वपूर्ण भूमिका दी गई थी, परंतु बाद में मस्क की टीम ने उन्हें किनारे कर दिया। इससे प्रशासनिक हलकों में नाराजगी फैली। रामास्वामी एच-1बी वीज़ा को लेकर ट्रंप समर्थकों से उलझ गए थे, जिससे मस्क की टीम पर भी परोक्ष रूप से प्रभाव पड़ा।

मस्क ने बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की छँटनी की। कई विभागों को निर्देशित किया गया कि कर्मचारी अपने कार्य का विवरण दें या त्यागपत्र दें, अन्यथा सेवा समाप्त की जाएगी। अनेक कर्मचारियों को वैकल्पिक रूप से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बदले में भुगतान की पेशकश की गई। परमाणु सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में छँटनी से असंतोष गहरा गया और अप्रैल 2025 में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए।

जब ट्रंप प्रशासन ने सभी आयातों पर 10 प्रतिशत मूलभूत सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा, तो मस्क ने उसका खुलकर विरोध किया।

उन्होंने कहा कि यह नीति "अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के लिए घातक" है। यह मामला अंततः अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में पहुंचा, जहाँ मस्क के पक्ष में निर्णय हुआ और इन शुल्कों को अमान्य करार दिया गया।

मस्क ने इस दौरान ट्रंप के वरिष्ठ व्यापार सलाहकार पीटर नवारो को "ईंट की बोरी से भी अधिक मूर्ख" कहा, जिसे व्हाइट हाउस ने अनदेखा कर दिया। किंतु यह टिप्पणी ट्रंप समर्थकों को आहत कर गई और मस्क की छवि धूमिल होने लगी।

मस्क का सरकार से बाहर जाना वैश्विक निवेशकों के लिए संकेत है कि अमेरिका में नीति स्थायित्व अब पूर्ववत नहीं रहा। विशेष रूप से जब नवाचार आधारित उद्योग सरकारी प्रणाली से टकराते हैं, तो निवेशक सतर्क हो जाते हैं।

भारत जैसे देशों में, जहां यूएसएड की सहायता से स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा आदि कार्यक्रम संचालित होते थे, वहां पर भी प्रभाव पड़ा है। यह घटनाक्रम बताता है कि किसी भी देश को अमेरिका जैसे बड़े सहयोगी के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना आवश्यक होता है, खासकर जब उसके नीति निर्माता और निजी क्षेत्र के दिग्गज आपस में असहमत हों।

मस्क नवाचार, वैश्विक आर्थिक सहयोग और निजी दक्षता के पक्षधर हैं, जबकि ट्रंप राष्ट्रवादी, संरक्षणवादी और केंद्रीकृत शासन के समर्थक हैं। दोनों के दृष्टिकोण भिन्न हैं और यही कारण है कि उनकी साझेदारी ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी।

मस्क ने अब स्पष्ट किया है कि वे अपने निजी उपक्रमों जैसे वाहन निर्माण कंपनी और अंतरिक्ष अभियान कंपनी पर ध्यान केंद्रित करेंगे और शासन प्रणाली से दूरी बनाएंगे। किंतु ट्रंप जैसे नेता आलोचना सहन नहीं करते, इसलिए भविष्य में संभव है कि वे मस्क पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव बनाएं।

हालांकि, यदि ट्रंप अपने अंतरराष्ट्रीय छवि को संतुलित करना चाहें तो मस्क जैसे प्रभावशाली तकनीकी उद्यमियों से फिर से सामंजस्य की कोशिश भी कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क का यह टकराव केवल एक प्रशासनिक घटना नहीं, बल्कि यह एक व्यापक चेतावनी है कि सरकारी व्यवस्था और निजी क्षेत्र के लक्ष्य एक-दूसरे से अक्सर मेल नहीं खाते। यह स्पष्ट होता है कि सरकारी प्रणाली में नवाचार लागू करना उतना सरल नहीं जितना निजी उद्योगों में होता है। मस्क ने इसे नजदीक से अनुभव किया, और ट्रंप ने भी यह देखा कि नवाचारशील नेतृत्व को सीमित करना आसान नहीं।

यह घटनाक्रम अमेरिका के साथ-साथ वैश्विक व्यवस्था के लिए भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में पारदर्शिता, संयम और स्पष्ट जिम्मेदारियां आवश्यक हैं।

विचार विण्डो

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हम उम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है।

ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करता है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नये बन रहे समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामुक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना ही हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स ऑफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ है जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

सूर्यकुमार यादव के पास ऑरेंज कैप जीतने का सुनहरा मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का रोमांच अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ चुका है, और इसी बीच मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव एक बड़ी उपलब्धि की दहलीज पर खड़े हैं। आज होने वाले क्वॉलिफायर–2 मुकाबले में, उनके पास ऑरेंज कैप जीतने का बेहतरीन अवसर है।

वर्तमान में ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज़ साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। उन्होंने पूरे सीज़न में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 573 रन बनाए हैं। वहीं सूर्यकुमार यादव अब तक 487 रन बना चुके हैं और वह इस रेस में तीसरे स्थान पर हैं। यदि वे आज के अहम मुकाबले में 87 या उससे अधिक रन बना लेते हैं, तो वे साई सुदर्शन को पीछे छोड़कर ऑरेंज कैप अपने नाम कर सकते हैं। सूर्यकुमार का हालिया फॉर्म इस संभावना को और प्रबल बनाता है। उन्होंने पिछले कुछ मैचों में लगातार शानदार पारियां खेली हैं और टीम को मुश्किल परिस्थितियों से उबारा है। उनका स्ट्राइक रेट 165 से ऊपर है, जो उन्हें इस सीज़न का सबसे खतरनाक बल्लेबाज़ बनाता है।

मुंबई इंडियंस की टीम आज पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है, हालांकि बारिश की संभावना के चलते मैच पर संदेह बना हुआ है। यदि मौसम ने साथ दिया और सूर्यकुमार को पर्याप्त गेंदें खेलने को मिलीं, तो उनके पास यह व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने का पूरा मौका रहेगा।ऑरेंज कैप आईपीएल में किसी भी बल्लेबाज़ के लिए गर्व का प्रतीक होती है। यह उस खिलाड़ी को दी जाती है, जो पूरे सीज़न में सबसे अधिक रन बनाता है। सूर्यकुमार पहले भी आईपीएल में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन ऑरेंज कैप अब तक उनके हाथ नहीं लगी है।

फैंस को उम्मीद है कि सूर्यकुमार न केवल ऑरेंज कैप की दौड़ में अव्वल आएंगे, बल्कि मुंबई इंडियंस को फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। यदि वे आज बड़ा स्कोर बना पाते हैं, तो आईपीएल 2025 का यह सीज़न उनके करियर का एक और सुनहरा अध्याय बन सकता है।

कमल हासन के बयान पर विवाद गहराया

कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन तेज, 'ठग लाइफ' की रिलीज संकट में

यूनिक समय, नई दिल्ली। कमल हासन एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज से पहले उनके एक बयान ने भारी बवाल खड़ा कर दिया है। प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि "कन्नड़ भाषा तमिल से उत्पन्न हुई है।" इस बयान को कर्नाटक के लोगों ने अपनी भाषा और संस्कृति का अपमान मान लिया, जिसके बाद राज्यभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

कमल हासन के इस बयान को लेकर कर्नाटक रक्षणा वेदिके और कई राजनेता भड़क उठे हैं। कर्नाटक के मंत्री शिवराज तंगडगी ने कमल हासन से माफी मांगने की मांग करते हुए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन कमल ने साफ कहा, "मैं माफी तभी मांगूंगा जब मैं गलत हूं। प्यार के लिए माफी नहीं मांगनी चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और मैं कानून और संविधान में विश्वास करता हूं।"

कमल हासन के इस रुख ने हालात को और बिगाड़ दिया है। अब राज्य के विभिन्न हिस्सों में उनके पुतले और पोस्टर जलाए जा रहे हैं, और प्रदर्शनकारियों ने 'ठग लाइफ' की रिलीज रोकने की चेतावनी दी है।

कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ', जिसे मणिरत्नम ने निर्देशित किया है, 5 जून को रिलीज होनी है।

लेकिन विवाद के कारण इस फिल्म की कर्नाटक में रिलीज अब संकट में नजर आ रही है। एलआर शिवराम गौड़ा सहित कई कन्नड़ समर्थक नेताओं और संगठनों ने बेंगलुरु सहित राज्य के सिनेमाघरों से अपील की है कि वे यह फिल्म न दिखाएं।

कमल हासन ने माफी मांगने से इनकार कर दिया है, जिससे विवाद शांत होता नजर नहीं आ रहा। अगर विरोध प्रदर्शन इसी तरह जारी रहे, तो कर्नाटक में फिल्म की रिलीज मुश्किल हो सकती है। यह विवाद न सिर्फ फिल्म के कलेक्शन को प्रभावित कर सकता है, बल्कि भाषाई भावनाओं की आंच दक्षिण भारत की राजनीति में भी असर डाल सकती है।

फिलहाल, सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कमल हासन अपने रुख में बदलाव करेंगे, या फिर यह विवाद और लंबा खिंचेगा।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

भारत ने 24 पदकों के साथ रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 24 पदक (8 स्वर्ण, 10 रजत और 6 कांस्य) अपने नाम किए। यह भारत का 2017 के बाद का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जब उसने भुवनेश्वर में घरेलू मैदान पर यह चैंपियनशिप जीती थी। भारत ने पदक तालिका में चीन के बाद दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत को मिले आठ स्वर्ण पदकों में से दो गुलवीर सिंह ने जीते, जिन्होंने पुरुषों की 5000 मीटर और 10,000 मीटर दौड़ में शानदार जीत दर्ज की। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में स्वर्ण जीतकर भारत का 36 वर्षों का इंतज़ार खत्म किया। वहीं, ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा बरकरार रखा। ऊंची कूद में पूजा सिंह ने व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारत को स्वर्ण दिलाया, जबकि नंदिनी अगसारा ने हेप्टाथलॉन में भारत को गौरवान्वित किया। महिलाओं की 4x400 मीटर रिले टीम (जिसना मैथ्यू, रूपल चौधरी, राजिता कुंजा और शुभा वेंकटेशन) और मिश्रित 4x400 मीटर रिले टीम ने भी स्वर्ण पदक जीते।

रजत पदकों की बात करें तो रूपल चौधरी ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में, परुल चौधरी ने 5000 मीटर दौड़ में और सचिन यादव ने भाला फेंक में देश के लिए रजत पदक जीता। महिलाओं की 4x100 मीटर रिले टीम जिसमें श्रेया नंदा, अभिनया राजराजन, शैना एसएस और निथ्या गांधी शामिल थीं, ने भी रजत पदक जीता।

कांस्य पदकों में अनिमेष कुजुर का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा, जिन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड (20.32 सेकंड) स्थापित किया। सर्विन सेबेस्टियन ने पुरुषों की 20 किलोमीटर रेस वॉक में कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत ने कुल 24 पदक जीतकर चीन (32 पदक) के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया और यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक प्रेरणादायक उपलब्धि बन गया है। इस शानदार प्रदर्शन ने भारत की ओलंपिक तैयारियों को भी मजबूती प्रदान की है और भविष्य के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

लवयापा की असफलता पर बोले आमिर खान

नापोटिज्म, टैलेंट और किस्मत का कड़वा सच

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म सितारे ज़मीन पर के प्रमोशन में व्यस्त हैं, लेकिन हाल ही में वो अपने बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म लवयापा को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से असफल रही, और अब पहली बार आमिर खान ने इसकी नाकामी पर खुलकर बात की है।

राज शमनी के पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए आमिर ने कहा कि लवयापा को रिलीज़ से पहले ही "नेपोटिज्म" यानी भाई–भतीजावाद के चश्मे से देखा जाने लगा था। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म को दर्शकों की तरफ से निगेटिव रिस्पॉन्स मिला और इसका सीधा असर फिल्म के प्रदर्शन पर पड़ा। आमिर ने साफ कहा, "जुनैद को नेपोटिज्म की वजह से ट्रोल किया गया, लेकिन मैंने कभी उसके करियर में दखल नहीं दिया।" आमिर खान ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने बेटे को किसी भी फिल्म में रोल दिलवाने की कोशिश नहीं की। "एक कलाकार को खुद अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर आगे बढ़ना चाहिए," उन्होंने कहा। पिता होने के नाते वे केवल दुआ कर सकते हैं, रास्ता नहीं बना सकते। उन्होंने अपने भाई फैज़ल खान का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उन्होंने फिल्म मेला में फैज़ल को लॉन्च किया था, लेकिन बावजूद इसके करियर आगे नहीं बढ़ा। आमिर के अनुसार, फिल्म इंडस्ट्री में सफलता सिर्फ टैलेंट, मेहनत और किस्मत के मेल से ही मिलती है, किसी की सिफारिश से नहीं। बातचीत के अंत में आमिर ने कहा कि वे बस भगवान से यही दुआ करते हैं कि जुनैद को वैसी सफलता मिले जैसी उन्हें मिली थी। उन्होंने कहा, "मेरी बस यही प्रार्थना है कि जुनैद को भी मेरी तरह पहचान और सफलता मिले।"आमिर खान की ये बात उनके ज़मीन से जुड़े स्वभाव और फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई को बयां करती है। लवयापा का फ्लॉप होना भले ही जुनैद के लिए शुरुआती झटका हो, लेकिन यह उसका पहला कदम भी हो सकता है। शायद यह असफलता ही आने वाले समय में उसकी बड़ी सफलता की नींव बने।

42 की उम्र में दूसरी बार पिता बनने जा रहे हैं नकुल मेहता

दीया मिर्जा ने दी बधाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी एक्टर नकुल मेहता और उनकी पत्नी जानकी पारेख दूसरी बार माता–पिता बनने जा रहे हैं। 42 वर्षीय नकुल ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी की प्रेग्नेंसी की खुशी शेयर की है। कपल ने अपने परिवार के साथ एक प्यारा मैटरनिटी फोटोशूट भी पोस्ट किया, जिसमें जानकी का बेबी बंप साफ दिख रहा है। नकुल ने लिखा, "हम भगवान का एक और आशीर्वाद स्वीकार कर रहे हैं।"

फैंस और इंडस्ट्री के दोस्तों ने इस खुशखबरी पर खूब प्यार लुटाया। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने भी कपल को बधाई देते हुए लिखा, "बहुत शानदार, प्यार, प्यार और ढेर सारा प्यार।"

नकुल और जानकी के बेटे सूफी भी इस खुशी में शामिल हैं। नकुल मेहता के फैंस इस नई शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

भीषण हादसाः बकरों से भरा कैंटर डिवाइडर से टकराया

हादसे में पिता-पुत्र समेत चार की मौत, छह लोग घायल

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़-दिल्ली हाईवे पर रविवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया। एटा से दिल्ली जा रहा बकरों से लदा एक कैंटर अनियंत्रित होकर थाना गभाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकरा गया और पलट गया। इस हादसे में हजारी लाल (65) और उनके पुत्र अमर सिंह (32) समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, एटा के मारहरा कस्बे के पशु व्यापारी दो कैंटरों में बकरियां और भेड़ें लेकर दिल्ली जा रहे थे। एक कैंटर में छह और दूसरे में पांच लोग सवार थे। हादसा गभाना क्षेत्र के भुकरावली गांव के पास तड़के 3:30 बजे हुआ, जब आगे चल रहा कैंटर डिवाइडर से टकरा गया। इस टक्कर में कैंटर के ऊपर बैठे लोग नीचे गिर पड़े। हादसे में हरीशचंद्र की भी मौत हो गई। विमल, सतेंद्र और गुड्डू घायल हुए हैं।

दूसरा हादसा भांकरी गांव के पास हुआ, जहां पीछे आ रहे दूसरे कैंटर के सीएनजी खत्म हो जाने पर उसमें सवार लोग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर आगे बढ़े। लेकिन इसी दौरान एक अन्य कैंटर ने ट्रॉली में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में रूपेंद्र निवासी मारहरा की मौत हो गई, जबकि यशवीर, महाराज सिंह और दीपक घायल हो गए।

एसपी सिटी मृगांक शेखर ने बताया कि सभी घायलों को जिला अस्पताल और जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं और मामले की जांच जारी है। पुलिस ने दुर्घटना के दोनों कैंटर जब्त कर लिए हैं। मौके पर स्थिति नियंत्रण में है।

संभलः अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने कल्कि धाम में किया शिलादान

यूनिक समय,संभल। संभल के ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम में रविवार को पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धापूर्वक शिला दान किया और मासिक संकीर्तन में भाग लिया। कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम से मुलाकात कर उन्होंने निर्माण कार्यों और आगामी महोत्सवों की जानकारी प्राप्त की।

कल्कि धाम में मासिक संकीर्तन का विशेष आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस बार ममता कुलकर्णी की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। अभिनेत्री ने श्रद्धालुओं के साथ भक्ति भाव से संकीर्तन किया और धार्मिक वातावरण का आनंद लिया।

चॉपिंग बोर्ड बना मौत का ज़रिया

यूपी के गोरखपुर में बर्ड फ्लू की दस्तक!

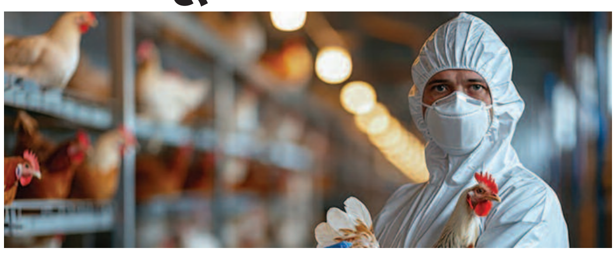

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर में बर्ड फ्लू संक्रमण को लेकर एक गंभीर खुलासा हुआ है। नगर की चार मीट दुकानों से लिए गए सैंपल की जांच रिपोर्ट में यह सामने आया है कि चाकू, चॉपिंग बोर्ड और मीट धोने वाले पानी में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है। ये सैंपल 20 मई को लिए गए थे और 30 मई को रिपोर्ट सामने आई।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि चाकू और चॉपिंग बोर्ड में वायरस मिला है, तो संभव है कि संक्रमित पक्षी को काटा गया हो। इससे यह अंदेशा गहराया है कि संक्रमित मीट कई लोगों तक पहुंच चुका होगा। सबसे चिंता की बात यह है कि इन उपकरणों का उपयोग सैंपल लेने के बाद भी लगातार होता रहा।

सैंपल राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान, भोपाल भेजे गए थे। हालांकि मुर्गे के मांस में वायरस की पुष्टि नहीं हुई, परंतु उपकरणों व पानी में संक्रमण मिलना गंभीर खतरे का संकेत है। इन दुकानों के मालिक यह स्पष्ट नहीं कर सके कि मुर्गे कहां से लाए गए थे, क्योंकि अधिकतर खरीदारी बिचौलियों के माध्यम से हुई थी।

पशुपालन विभाग जांच में जुटा है और प्रभावित इलाकों में एक किलोमीटर की परिधि में जीवित पक्षियों के कलिंग व संक्रमण नियंत्रण का कार्य शुरू कर दिया गया है। चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू से बाघिन और कौओं की मृत्यु के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिया गया है, जहां पक्षियों की असामान्य मृत्यु की सूचना दी जा सकती है। आमजन को सतर्क रहने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई है।

अब्बास अंसारी की विधायकी रद्द

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर विधानसभा सीट से विधायक और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के नेता अब्बास अंसारी की विधायकी रद्द कर दी गई है। शनिवार को एक हेट स्पीच मामले में कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो गई। अब इस पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या मऊ में उपचुनाव होंगे? अब्बास अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान एक विवादित बयान दिया था, जिस पर मुकदमा दर्ज हुआ और शनिवार को कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए दो वर्ष की सजा दी। भारतीय कानून के अनुसार, किसी भी जनप्रतिनिधि को दो या अधिक साल की सजा मिलने पर उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाती है। हालांकि, सुभासपा अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने साफ किया है कि वे अब्बास अंसारी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। अगर हाईकोर्ट से उन्हें राहत मिलती है या सजा पर स्टे लगता

मऊ में उपचुनाव के संकेत

है, तो उनकी विधायकी वापस भी आ सकती है। मऊ सदर सीट पर अब्बास अंसारी से पहले उनके पिता और कुख्यात बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी कई बार विधायक रह चुके हैं। सुभासपा, वर्तमान में एनडीए गठबंधन की सहयोगी है और बीजेपी सरकार का हिस्सा है। गौरतलब है कि अब्बास अंसारी 18वीं विधानसभा के छठे विधायक हैं, जिनकी सदस्यता रद्द की गई है। इससे पहले आजम खान, अब्दुल्ला आज़म, इरफान सोलंकी, विक्रम सैनी और रामदुलार गोंड की विधायकी जा चुकी है।

अब सबकी निगाहें हाईकोर्ट के फैसले और चुनाव आयोग की घोषणा पर टिकी हैं।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी 18 नवंबर को

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की युवा सांसद प्रिया सरोज की शादी की तारीख तय हो गई है। यह बहुप्रतीक्षित विवाह समारोह 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज में संपन्न होगा। उससे पहले, 8 जून को लखनऊ में दोनों की रिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी।

प्रिया सरोज जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से सांसद हैं और पेशे से अधिवक्ता हैं। रिंकू सिंह, जो आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हैं, मूलतः अलीगढ़ के एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता गैस एजेंसी में सिलिंडर वितरण का काम करते थे। रिंकू ने संघर्षों के बीच क्रिकेट में अपनी जगह बनाई और 2023 में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर चर्चित हुए। दोनों की जान-पहचान

आठ जून को लखनऊ में सगाई

प्रिया की सहेली के पिता के माध्यम से हुई थी। यह रिश्ता परिवारों की सहमति और समझदारी से आगे बढ़ा है। सपा विधायक तूफानी सरोज, जो प्रिया के पिता हैं, ने इस रिश्ते की पुष्टि की थी। शादी पारंपरिक रीति-रिवाजों से संपन्न होगी और इसमें राजनेताओं, क्रिकेटर्स, फिल्मी हस्तियों और उद्योगपतियों के शामिल होने की उम्मीद है।

केकेआर ने रिंकू सिंह को 2025 की नीलामी में 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। उनकी वार्षिक कमाई 60 से 80 लाख रुपये के बीच है और 2024 में उनकी कुल संपत्ति का अनुमान 8 करोड़ रुपये लगाया गया था, जो अब और बढ़ चुकी है। यह शादी निश्चित रूप से वर्ष की सबसे चर्चित शादियों में से एक होगी।

ऐसा है राम मंदिर का स्वर्ण जड़ित भव्य शिखर

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर के स्वर्ण जड़ित भव्य और चमकदार शिखर की तस्वीरें जारी की हैं।

अयोध्या में बने भगवान श्रीराम के मंदिर को भव्यता देने का कार्य लगातार किया जा रहा है। मंदिर का शिखर स्वर्ण जड़ित बनाया गया है। जो दूर से ही चमक बिखेरता है। मंदिर को दर्शनीय और भव्य बनाने के लिए हर प्रयास किया जा रहा है जो कि नजर भी आ रहा है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर के स्वर्ण जड़ित भव्य और चमकदार शिखर की तस्वीरें जारी की हैं।

मंदिर में पांच जून को राम दरबार की स्थापना की जाएगी। इसके लिए अनुष्ठान तीन जून से प्रारंभ हो जाएंगे।

राम मंदिर में राम दरबार में स्थापना के लिए मूर्तियां भी आ गई हैं। राम मंदिर परिसर में कई मंदिरों का निर्माण किया गया है।

नव नियुक्त डीजीपी राजीव कृष्णा ने संभाला पदभार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने रविवार को पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा पुलिस विभाग की कमान सौंपे जाने पर आभार व्यक्त किया और सरकार की प्राथमिकताओं को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

राजीव कृष्णा 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और अब तक पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष और विजिलेंस डायरेक्टर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। उन्होंने 11 वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड कर यह पद प्राप्त किया है। इससे पहले कार्यवाहक डीजीपी रहे प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिला, जिससे शनिवार देर शाम राजीव कृष्णा की नियुक्ति की घोषणा की गई और रात 9 बजे उन्होंने कार्यभार संभाल लिया।

नवनियुक्त डीजीपी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में अपराध और भ्रष्टाचार

सीएम योगी से की शिष्टाचार भेंट

के प्रति जीरो टॉलरेंस, महिला सुरक्षा, नागरिक केंद्रित पुलिसिंग और उत्कृष्ट कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

गौरतलब है कि यह प्रदेश में लगातार पांचवीं बार कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति है। राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्षों से संघ लोक सेवा आयोग को डीजीपी चयन के लिए पैनल नहीं भेजा, जिससे यह स्थिति बनी। इस नियुक्ति में जिन वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड किया गया, उनमें 1989 और 1990 बैच के कई अधिकारी शामिल हैं।

सार संक्षेप

बंगाल में अवैध प्रवेश और पलायन पर रोक आवश्यक : अमित शाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाकर अवैध प्रवेश, भ्रष्टाचार और हिन्दुओं का पलायन रोका जाएगा।

बंगाल को उत्तर कोरिया मत बनाइए : कंगना रनौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कानून की छात्रा की गिरफ्तारी पर कंगना रनौत ने कहा कि संविधानिक अधिकारों का हनन न हो और युवाओं को सताना उचित नहीं है।

सेना पर बयान, शौर्य का अपमान : भारतीय जनता पार्टी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कमलजीत सहरावत ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे का वक्तव्य भारतीय सेना के पराक्रम पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

अब्बास अंसारी की सदस्यता समाप्त, मऊ सीट रिक्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। घृणा भाषण मामले में सजा पाए विधायक की विधानसभा सदस्यता रद्द कर मऊ क्षेत्र को रिक्त घोषित किया गया।

वैज्ञानिक प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण, पूर्वोत्तर को लाभ

यूनिक समय, नई दिल्ली। 88 करोड़ की लागत से निर्मित केंद्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन करते हुए अमित शाह ने इसे न्याय प्रणाली के लिए उपयोगी बताया।

शेख हसीना मानवता विरोधी अपराध में दोषी ठहराई गईं

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने औपचारिक रूप से आरोप सिद्ध किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में पावन स्नान किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने गंगा तट पर पूजा-अर्चना कर दिल्ली के विकास और यमुना को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया।

सिक्किम व असम में वर्षा व बाढ़ का कहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर सिक्किम में भारी वर्षा के कारण 800 पर्यटक फंसे, जबकि ब्रह्मपुत्र व तीस्ता नदियों के उफान से निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए।

पीओके कांग्रेस ने दिया, भाजपा वापस लेगी :बृजभूषण सिंह

यूनिक समय,नई दिल्ली। भाजपा नेता बृजभूषण सिंह ने कहा, पीओके कांग्रेस ने दिया, तुष्टिकरण की राजनीति भी उसी ने शुरू की। भाजपा पीओके वापस लेगी, जल्द टुकड़े होंगे।

आईआरएस अधिकारी ने मांगी पैंतालीस लाख की रिश्वत

सीबीआई ने रंगे हाथों किया गिरफ्तार

यूनिक समय, दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी डॉ. अमित कुमार सिंगल को पैंतालीस लाख रुपये की रिश्वत माँगने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। यह रिश्वत आयकर से संबंधित एक नोटिस को समाप्त करने के लिए माँगी गई थी।

इस मामले की शिकायत ला पिनोस नामक खाद्य श्रृंखला के मालिक सनम कपूर ने की थी।

सनम कपूर का कहना है कि उन्हें सरकारी विभागों द्वारा बार-बार नोटिस भेजकर परेशान किया जा रहा था, जिसका कारण एक व्यावसायिक विवाद था। वर्ष 2017 में कपूर ने व्यापारी हर्ष कोटक के साथ एक खाद्य बिक्री अनुबंध किया था, लेकिन अनुबंध के उल्लंघन के बाद दोनों पक्षों में मतभेद हो गया।

सनम कपूर के अनुसार, हर्ष कोटक, अधिकारी डॉ. अमित कुमार की माता के साथ भागीदारी में था और इसी कारण उन पर दबाव बनाकर एक करोड़ साठ लाख रुपये में अपनी ही शाखा पुनः खरीदने को मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक कीमत मात्र पच्चीस लाख रुपये थी।

इसके बाद कपूर को आयकर और खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से लगातार नोटिस मिलने लगे। उनके विधिक सलाहकार गगनदीप सिंह जम्मू ने बताया कि इन नोटिसों को बंद कराने के लिए डॉ. अमित कुमार सिंगल ने पैंतालीस लाख रुपये की रिश्वत माँगी।

सीबीआई ने पूरी योजना के साथ 31 मई को हर्ष कोटक को चंडीगढ़ में पच्चीस लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया और उसी दिन डॉ. अमित कुमार सिंगल को दिल्ली स्थित उनके निवास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उनके पास से ढाई किलो सोने के आभूषण और तीस लाख रुपये नकद बरामद हुए। दोनों आरोपियों के विरुद्ध चंडीगढ़ में मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

तेज प्रताप यादव का भावुक बयान

हर साजिश को करूंगा बेनकाब, भाई मम्मी-पापा का रखना ख्याल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की सियासत एक बार फिर तेज हो गई है, जहां आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने पार्टी और परिवार से बाहर निकाले जाने के बाद सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा की है। तेज प्रताप ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को संबोधित करते हुए लिखा, "मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नहीं हो सकोगे। कृष्ण की सेना तो ले सकते हो लेकिन कृष्ण को नहीं।"

उन्होंने आगे लिखा, "हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। भाई, भरोसा रखना, मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं। मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह हैं अंदर भी और बाहर भी।"

इससे पहले तेज प्रताप ने एक और भावुक पोस्ट में माता-पिता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए लिखा, "मेरे प्यारे मम्मी-पापा, मेरी दुनिया आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर आप हैं। बस आपका आशीर्वाद चाहिए, बाकी सब बेकार है।"

तेज प्रताप यादव का यह बयान तब आया है जब हाल ही में उनका नाम अनुष्का यादव के साथ रिलेशनशिप को लेकर सामने आया था। 24 मई को उन्होंने सोशल मीडिया पर अनुष्का के साथ अपनी तस्वीरें साझा कीं और 12 साल पुराने रिश्ते का दावा किया। हालांकि बाद में उन्होंने इसे अफवाह बताया और कहा कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। इसके बाद लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार दोनों से बाहर करने का निर्णय लिया। अब तेज प्रताप के इन बयानों से यह साफ हो गया है कि वे चुप बैठने वाले नहीं हैं और जल्द ही किसी बड़ी सियासी हलचल के संकेत दे रहे हैं।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का ट्रायल शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना ने अब रफ्तार पकड़ ली है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है, जिसमें से 352 किमी हिस्सा गुजरात और शेष महाराष्ट्र में स्थित है। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2016 में हुई थी और अब यह अपने महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बनाई जा रही इस हाई-स्पीड ट्रेन सेवा के अंतर्गत बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल जापान में शुरू हो चुका है। जापान भारत को रणनीतिक साझेदारी के तहत ए5 और ए3 सीरीज की दो शिंकान्सेन ट्रेनें उपहार में देगा, जिनकी डिलीवरी 2026 की शुरुआत में होगी। ये ट्रेनें 320 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ने में सक्षम हैं।

इन ट्रेनों में ट्रैक निरीक्षण, तापमान

जल्द मिलेगी यात्रा की सुविधा

सहनशीलता और धूल प्रतिरोध जैसी उन्नत तकनीकें शामिल हैं। इन्हीं डेटा के आधार पर भविष्य में 'मेक इन इंडिया' के तहत ए10 सीरीज की अगली पीढ़ी की ट्रेनें विकसित की जाएंगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन में कुल 12 स्टेशन होंगे, जैसे ठाणे, विरार, वापी, सूरत और वडोदरा। वर्तमान में इस दूरी को तय करने में 7 घंटे लगते हैं, जो बुलेट ट्रेन से घटकर सिर्फ 2 घंटे 7 मिनट हो जाएगा। इस परियोजना से भारत में न केवल तेज़ और सुरक्षित यात्रा का सपना साकार होगा, बल्कि यह तकनीकी कौशल, रोजगार, पर्यटन और व्यापार को भी एक नई दिशा प्रदान करेगी। यह भारत में सार्वजनिक परिवहन के एक नए युग की शुरुआत है।

भतीजे संग प्यार में पड़ी तीन बच्चों की मां

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के वैशाली जिले के चकसिकंदर मंसूरपुर गांव से एक अजब-गजब प्रेम कहानी सामने आई है, जिसमें रिश्ते, प्रेम और पंचायत की दिलचस्प तस्वीर दिखती है। पारो देवी नाम की महिला, जो तीन बच्चों की मां है, अपने भतीजे रूपेश राम के साथ प्रेम संबंध में थी। दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़े जाने के बाद गांव में पंचायत बैठी, जहां रूपेश ने सार्वजनिक रूप से पारो की मांग में सिंदूर भर दिया। हैरत की बात यह रही कि पारो का पति रमेश राम भी मौके पर मौजूद था, लेकिन उसने विरोध नहीं किया। उसने कहा कि उसे इस शादी से कोई आपत्ति नहीं है, बस वह अपने बच्चों की कस्टडी चाहता है। रूपेश ने भी रिश्ते को स्वीकार करते हुए कहा कि पारो उसकी रिश्ते में आंटी लगती हैं, लेकिन दोनों के बीच दो साल से प्रेम संबंध हैं और उनका दावा है कि पारो का सबसे छोटा बेटा उसका ही है। फिलहाल बच्चों की कस्टडी को लेकर विवाद जारी है और इस पूरे मामले की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है।

सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में राहत के संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आम जनता के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) और पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की कीमतों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमत में कटौती की है, जिससे जल्द ही इन ईंधनों की खुदरा कीमतों में भी कमी देखी जा सकती है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण

सरकार ने नेचुरल गैस की कीमत घटाई

प्रकोष्ठ द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी जैसी कंपनियों को पुराने गैस क्षेत्रों से मिलने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत 6.75 डॉलर से घटाकर 6.41 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट) कर दी गई है। यह कटौती 2023 में लागू नए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के तहत की गई है, जिसमें कीमतों की अधिकतम सीमा 6.5 डॉलर तय की गई थी। इस कदम से इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, महानगर गैस लिमिटेड और अडानी-टोटल गैस जैसी कंपनियों को लाभ मिलेगा, जो उत्पादन लागत बढ़ने के कारण दबाव में थीं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सीएनजी और पीएनजी के दामों में 2 से 3 रुपये प्रति यूनिट तक की कमी आ सकती है।

गौरतलब है कि पिछले महीने दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में 1 से 3 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई थी। दिल्ली में वर्तमान में सीएनजी ₹76.09/किलो है, जबकि नोएडा और गाजियाबाद में यह ₹84.70/किलो तक पहुंच गई थी। ऐसे में प्राकृतिक गैस की कीमत में यह कटौती आम उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है।

सरकार के इस फैसले से जहां रिटेलर्स को लागत में राहत मिलेगी, वहीं आम जनता को सस्ते ईंधन का फायदा मिलेगा।

आने वाले दिनों में सीएनजी और पीएनजी की दरों में संभावित गिरावट से दैनिक जीवन की लागत में थोड़ी राहत मिल सकती है।

पाकिस्तान चीन का 17 हजार करोड़ का बकायेदार

चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव ने फैलाया कर्ज का जाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव ने 150 से अधिक देशों को भारी कर्ज में डुबो दिया है। 2013 में शुरू हुई इस योजना के तहत चीन ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के नाम पर अरबों डॉलर का कर्ज बांटा, जो अब संकट का रूप ले चुका है। लोवी इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2025 तक चीन विकासशील देशों से 3 लाख करोड़ रुपये वसूलेगा, जिनमें 1.9 लाख करोड़ रुपये 25 सबसे गरीब देश चुकाएंगे।

वर्तमान में 42 देश अपनी जीडीपी के 10% से अधिक चीनी कर्ज के बोझ तले दबे हैं। श्रीलंका, पाकिस्तान, जाम्बिया जैसे देश ऋण चुकाने में असफल रहे हैं और उन्हें रणनीतिक संपत्तियां चीन को सौंपनी पड़ी हैं।

चीन ऊंची ब्याज दरों (4% से 6%) पर कर्ज देता है और बदले में प्राकृतिक संसाधन या बंदरगाह गिरवी रखता है। कर्ज की कई शर्तें गोपनीय रहती हैं, जिससे पारदर्शिता नहीं रहती।

इफ्क के प्रोजेक्ट्स में भ्रष्टाचार, शोषण और सामाजिक अस्थिरता की समस्याएं सामने आई हैं। यह स्पष्ट है कि चीन इस पहल के माध्यम से केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक प्रभुत्व स्थापित कर रहा है, जिससे कई देश दीर्घकालीन आर्थिक गुलामी की ओर बढ़ रहे हैं।

पाकिस्तानः 2024 में चीन ने 17 हजार करोड़ रु. के ऋण की परिपक्वता बढ़ाई। यह ऋण पुनर्गठन की प्रक्रिया में है। अंगोलाः मार्च 2024 में चीन के साथ मासिक भुगतान कम करने पर सहमति बनी। यह कदम भी ऋण पुनर्गठन दर्शाता है। श्रीलंकाः 2022 में डिफल्ट कर चुका है। इसके चलते अपना हंबनटोटा पोर्ट 99 साल की लीज पर चीन को देना पड़ा। जाम्बियाः 2020 में डिफॉल्ट हो चुका है। ऋण पुनर्गठन की बातचीत जारी है। चीन इस देश का प्रमुख कर्जदाता है। लाओसः यह देश वित्तीय तनाव में है। उसका कर्ज जीडीपी के 100% को पार कर चुका है। इसमें बड़ा हिस्सा चीन का है।

150 देश बने कर्जदार, संकटग्रस्त देशों पर बढ़ रहा दबाव

चीन की रणनीति केवल सहायता देने की नहीं, बल्कि उच्च ब्याज दरों पर कर्ज देकर और बदले में प्राकृतिक संसाधन व संपत्तियां गिरवी रखवाकर अपना प्रभाव बढ़ाने की है। कई बार कर्ज की जानकारी भी पारदर्शी नहीं होती, जिससे देशों को आर्थिक और सामाजिक अस्थिरता का सामना करना पड़ता है।

इस रणनीति के चलते चीन न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक रूप से भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, खासकर उन देशों में जो प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध या राजनीतिक रूप से कमजोर हैं। इस तरह, बीआरआई ने विकासशील देशों को कर्ज के दुष्चक्र में फंसा कर चीन की वैश्विक पहुंच को बढ़ावा दिया है।

कितना शुद्ध पानी पी रहे हैं लोग

पानी के प्लांटों पर सवाल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप पानी के प्लांटों का पानी शुद्ध समझकर पी रहे हैं तो रुकिए। इस पानी की शुद्धता की गारंटी किसके पास है। बाजार में एक नहीं कई प्लांटों का पानी बिक रहा है। प्रतिष्ठान ही नहीं घरों में इस पानी की सप्लाई की जा रही है, पर किसी के पास इतना समय नहीं है कि वह पानी की शुद्धता की जांच करवा ले। गर्मी के मौसम में पानी का कारोबार इतनी तेजी से बढ़ता है कि जिले के शहर एवं कस्बाई क्षेत्रों में पानी के प्लांट लग गए हैं। इन प्लांटों के पंजीकरण कहां पर हो रहे हैं और उन प्लांटों के पानी की जांच कौन सा विभाग कर रहा है। सवाल यह उठता है कि बाजार मे मिलने वाला पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है अथवा कितना नुकसानदायक है। पीने वाला तो पानी को आरओ का शुद्ध पानी समझकर पर पी रहा है। शहर हो अथवा देहात हर किसी को पीने के लिए आज के समय में आरओ का पानी चाहिए। इसका भरपूर फायदा बहुत से लोग उठा रहे हैं। बस उनके प्लांट अथवा घर में पानी खारे की जगह मीठा होना चाहिए। बस फिर क्या घर में एक आरो प्लांट लगा कर आरो का पानी लोगों को बेचना शुरू हो जाता है। शहर और देहात में इस तरह के कई सैंकड़ा प्लांट लगे हुए है।

सिर्फ आठ के रजिस्ट्रेशन, चल रहे हैं सैकड़ों

पानी के पाउचों पर कोई डेट अंकित नहीं

पानी के कारोबार से जुड़े लोग बन रहे धनाढ्य

इन प्लांटों से शहर और ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से पानी को बोतलों और प्लास्टिक के पाउचों में भरकर आपूर्ति की जा रही है। इस तरह के घरों और दुकानों में लगे पानी के प्लांटों में पानी की क्वालिटी और गुणवत्ता को कोई नहीं पूछता है। बाजार में विभिन्न तरह की पानी के पाउचों की खुले आम बिक्री हो रही है। इन पाउचों पर न तो मैन्यूफैक्चर डेट है और न ही उनकी एक्सपाइरी डेट है। हालांकि क्वालिटी कंट्रोल करने के लिए प्रशासन की टीम होती है लेकिन इन प्लांटों पर कभी पानी की क्वालिटी चेक नहीं की जाती है। इस बारे में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि जनपद में पानी के आठ प्लांटों का ही विभाग में रजिस्ट्रेशन है। इन प्लांटो से पानी की बोतल और पाउचों की बिक्री की जाती है। पर यह नहीं बता सके कि अब तक पानी के कितने नमूने लिए गए।

मछली फाटक पुल पर लापरवाही

विद्युत विभाग की अनदेखी से खतरा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के प्रमुख और व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक मछली फाटक पुल पर विद्युत विभाग की घोर लापरवाही से जानमाल को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। पुल पर लगे खंभों पर बिजली के बॉक्सों में तार खुले पड़े हैं, जिनसे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यह विभाग जब जागेगा जब कोई बड़ा हादसा होगा। बारिश का मौसम आने वाला है। पानी और बिजली का मेल जान लेवा साबित हो सकता है। यहां से गुजरने वाले राहगीरों कहते हुए जा रहे थे, तब विद्युत विभाग की नींद खुलेगी जब कोई हादसा हो जाएगा। यहां से काफी संख्या में पैदल

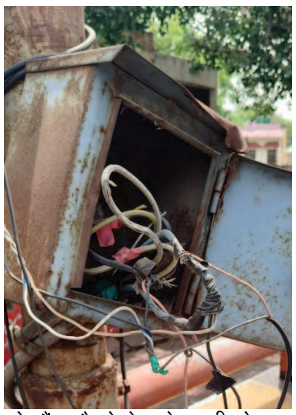

स्टेट बैंक चौराहे से आगे मछली ओवर ब्रिज पर खुला पड़ा बिजली बॉक्स।

खुले बॉक्स के खुले तारों से हो सकता है हादसा

बच्चे व राहगीर निकलते है। बॉक्स के अंदर लगे तारों को देखकर यहां से गुजरने वाले राहगीरों को डर लगने लगता है। यदि किसी ने गलती से छू लिया तो क्या होगा यह तो बॉक्स राम भरोसे चल रहे है। इन खुले तारों से करंट फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, यदि विद्युत विभाग खुले तारों को सुरक्षित ढंग से कवर करके लगाए जाए तो काफी हद तक खतरा टल सकता है।

सच्ची घटना पर आधारित

प्रिय पाठकों मैं आपको एक सच्ची घटना से आगामी अंकों में रूबरू कराने का प्रयास करूंगा कि कैसे उच्च शिक्षित वैवाहिक जोड़ा मात्र एक माह में इतनी दूरियां बना लेता है कि उसका समाधान अत्यधिक प्रयासों के बावजूद भी उनको एक नहीं कर पाता। उक्त जोड़ा नवम्बर 2020 में शादी के बंधन से लेकर आज दिनांक 31 मई 2025 को कैसे हमेशा के लिए दूर हो जाता है। मात्र 4 वर्ष में आरोप प्रत्यारोप के दौर के बीच पुलिस केस, पुलिस का उठाना, जेल यात्रा से लेकर बहुत सारे मोड़ आते हैं जिसमें कैसे पैसा, समय, उम्र तबाह होती है। कोर्ट की फिर कभी न मिलने के आदेश पर कोर्ट की मोहर लगती है। उसको आप आगामी अंको में पढ़ना न भूलें। **धन्यवाद**

मुख्यमंत्री योगी से मिले बलदेव ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह

यूनिक समय, बलदेव। बलदेव ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को श्री दाऊजी महाराज और रेवती मैया का प्रसाद एवं फरिया भेंट की।

प्रतीक सिंह ने बलदेव क्षेत्र के समग्र विकास हेतु कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखें। उन्होंने क्षेत्र में स्टेडियम, सरकारी बस स्टैंड, मेडिकल कॉलेज, गर्ल्स डिग्री कॉलेज व कृषि मंडी की आवश्यकता जताई। साथ ही, यमुना एक्सप्रेसवे पर बलदेव के लिए कट बनाने, अकोस मार्ग के निर्माण और फसलों को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के मुआवजे की मांग भी की। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र के युवाओं को खेल, शिक्षा और रोजगार में बेहतर अवसर मिल सकेंगे। बैठक में सुनील चौधरी, अनुज उपमन्यु, शिवा उपाध्याय और गौरव तोमर भी मौजूद रहे।

विशेष अनुरोध

यदि आपके आसपास कोई घटना होती है या कोई कार्यक्रम जिसे आप अपने विश्वसनीय समाचार पत्र यूनिक समय में प्रकाशित कराना चाहते हैं तो देर न करें। इस मोबाइल नंबर पर प्रेषित करें

यूनिक समय का नया व्हाट्सअप नंबर 8394983366

"बोलती तस्वीर"

आंधी बनी मेहमान: पंडाल ने मानी हार!

छाता में जहां कार्यक्रम की तैयारी ज़ोरों पर थी, वही मौसम ने कर दिया पूरा खेल ख़राब! आंधी—पानी की दस्तक ने पंडाल को ज़मीन पर ला दिया और कुर्सियाँ रह गईं गवाह बनकर। छाया—धर्मवीर सिंह।

अब तो लिफ्टों से डर लगने लगा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन मार्ग स्थित एक अपार्टमेंट की लिफ्ट में दो बालिकाओं के एक घंटे तक फंसे रहने की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अपार्टमेंटों में रहने वाले परिवारों का कहना है कि लापरवाही से कहीं उनके बच्चे लिफ्ट में न फंस जाएं। कल हुई घटना न केवल लिफ्टों के रखरखाव में लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि अपार्टमेंट सोसाइटियों में सुरक्षा मानकों की गंभीर खामियों की ओर भी इशारा करती है। शनिवार को शहर के एक प्रमुख अपार्टमेंट परिसर में दो बच्चियां लिफ्ट में फंस गईं। लगभग एक घंटे तक अंदर रहीं। लिफ्ट के अचानक रुक जाने के बाद बच्चियों ने मदद के लिए चिल्लाना शुरू किया, लेकिन उनकी आवाजें सुनने में समय

कल की घटना से परिवारों की चिंता बढ़ी

लगा। लिफ्ट में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम या ऑटोमेटिक रेस्क्यू डिवाइस की कमी के कारण बच्चियां फसी रहीं। इस घटना का लेकर जिले के अपार्टमेंट, मॉलों व अस्पतालों में लिफ्ट से जाने वाले लोगों को भी डर सताने लगा है। लोगों का कहना है, कि लिफ्ट तो लगा दी है, लेकिन उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं रहता है। जनपद में यह पहली घटनाएं है। आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सोसाइटी के प्रबंधन की ओर से समय से इसका मेंटिनेंस करा लिया जाता तो यह घटना नहीं होती। इसका शुल्क नियमित रूप से देने के बावजूद, लिफ्टों की स्थिति दयनीय है। इस घटना के बाद, स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी भविष्य में कोई घटना नहीं हो, इसलिए ऐसे लापरवाहों को दण्ड मिलना चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है, कि जनपद में किसी को यह नहीं पता होगा कि कितनी लिफ्ट लगी हुई है, यदि इनका समय से मेन्टेनेंस नहीं हुआ होगा तो इस तरह की लापरवाही फिर सामने आ सकती है। सीओ सिटी भूषण वर्मा ने कहा कि लिफ्टों की नियमित जांच और मेंटिनेंस अत्यंत आवश्यक है। जनपद में लग रही सभी लिफ्टों में ऑटोमेटिक रेस्क्यू डिवाइस (आर्ड) और इमरजेंसी अलार्म सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाए जाने चाहिए और इसके अलावा, लिफ्ट ऑपरेटरों और मेंटिनेंस स्टाफ को नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि आपात स्थितियों में वे तुरंत और प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकें।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053